Part A Introduction

Program: P.G. ONE YEAR 2 YEAR PG IInd YEAR	Class: M.S.W.	Year: Second Year	Session:2025-26

Subject: Master of Social Work

1	**Course Code**	**CC-31**
2	**Course Title**	Social Research: Methods & Statistics
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Core course**
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand key concepts and principles of social research methodology. 2. Identify and apply appropriate qualitative and quantitative research methods. 3. Design and conduct a basic social research project, including formulating research questions and hypotheses. 4. Collect, analyze, and interpret data using relevant statistical tools. 5. Present research findings clearly and ethically in written and oral formats.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 — Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Social Science Research:-** • Meaning, Nature objectives and types, utility of research methods, • Methods of social research, Pure and applied research, various theories of social research,	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	• Basic elements of social research- concept, variables, theories, operational definition. • Social Work Research in India.	
	Key word- Social Sciences, Variables, Theory, Operationalization,	
	Activity- Debate the differences between "pure research" and "applied research" using real-life examples.	
II	**Research Methods:-** • Case Study Method – Meaning, concepts, procedure, features, approaches, advantage and disadvantage. • Social Survey Method– Definition, subject matter, types, procedures, and growth, Merits and demerits, Social surveys in India. • Experimental Method – Definitions, Types. • Historical Method – Concepts and Source. • Content Analysis Method	15
	Key word- Case study, Social survey, Experimental method, Historical method, Content analysis method	
	Activity- Students present a mock case study (e.g., a community health project) and explain its procedure, advantages, and limitations.	
III	**Methods of Data Collection and Research Design:-** • Sources of data, forms of data, principles of data collection • Various method of data collection: observation interview questionnaire & schedule. • Sampling- population, universe, types, techniques & procedures. • Research design – meaning purpose, functions. • Hypothesis – Meaning, Types, Formulation and Testing.	15
	Key word- Data Collection, Research Design, Observation Interview Questionnaire and Schedule, Population, Universe, Types, Techniques and Proceduress	
	Activity- Pair students to practice observation and interview techniques (e.g., observing peer behavior or interviewing a classmate about study habits).	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

IV	**Statistical Method in Social Research** • Use of statistics in social research. • Parametric and non parametric concept in statistics. • Various statistics methods – Averages, Mean, Median, Mode, Dispersion, t-test, chi square test, ANOVA, correlation and regression.	15
	Key word- Social research, statistical methods, average, mean, median, mode, dispersion, t-test, chi square test, ANOVA, correlation and regression.	
	Activity –Use a simple dataset (e.g., gender vs. preference for online/offline classes) to run a chi-square test with guidance.	
V	**Interpretation, presentation and report writing of research project:-** • Concept of interpretation and presentation, tabulation and classification, use of diagram, map and graphs. • Standard format for referencing, footnotes, research abstracts and bibliography. • Report writing – Deferent steps.	15
	Key word- Research project, report writing, use of diagrams, maps and graphs, footnotes, research abstract and bibliography	
	Activity –Practice formatting references and footnotes for different sources (books, journals, websites).	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ज

अ शास्त्र

के. मण्डल

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: **1.** Devendra Thakur – Research methods in social survey. **2.** डा. सुरेन्द्र सिंह - सामाजिक अनुसंधान **3.** Dr. Kathar – Research methodology, methods and Teaching **4.** Dr. Sanjay Bhattacharya – Social work : An Integrated Approach **5.** C.R. Kothari – Research Methodology methods & Techniques		
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-31	
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**सामाजिक अनुसंधान: विधियाँ और सांख्यिकी**	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**कोर कोर्स**	
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।	
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	1. सामाजिक शोध पद्धति की प्रमुख अवधारणाओं और सिद्धांतों को समझें। 2. उपयुक्त गुणात्मक और मात्रात्मक शोध विधियों की पहचान करें और उन्हें लागू करें। 3. शोध प्रश्नों और परिकल्पनाओं को तैयार करने सहित एक बुनियादी सामाजिक शोध परियोजना को डिज़ाइन और संचालित करें। 4. प्रासंगिक सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा एकत्र करें, उसका विश्लेषण करें और उसकी व्याख्या करना। 5. शोध निष्कर्षों को लिखित और मौखिक प्रारूपों में स्पष्ट और नैतिक रूप से प्रस्तुत करें।	
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00=** प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	सामाजिक विज्ञान अनुसंधान:- • अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य और प्रकार, अनुसंधान विधियों की उपयोगिता, • सामाजिक अनुसंधान के तरीके, शुद्ध और अनुप्रयुक्त अनुसंधान, सामाजिक अनुसंधान के विभिन्न सिद्धांत, • सामाजिक अनुसंधान के मूल तत्व- अवधारणा, चर, सिद्धांत, परिचालन परिभाषा। • भारत में समाज कार्य अनुसंधान। **सारबिन्दु** – सामाजिक विज्ञान, चर, सिद्धांत, परिचालन, **गतिविधि-** वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करके "शुद्ध शोध" और "अनुप्रयुक्त शोध" के बीच अंतर पर बहस करें।	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

द्वितीय	शोध विधियाँ:- • केस स्टडी विधि – अर्थ, अवधारणाएँ, प्रक्रिया, विशेषताएँ, दृष्टिकोण, लाभ और हानि। • सामाजिक सर्वेक्षण विधि – परिभाषा, विषय-वस्तु, प्रकार, प्रक्रियाएँ और विकास, गुण और दोष, भारत में सामाजिक सर्वेक्षण। • प्रायोगिक विधि – परिभाषाएँ, प्रकार। • ऐतिहासिक विधि – अवधारणाएँ और स्रोत। • सामग्री विश्लेषण विधि	15
	सारबिन्दु – केस स्टडी, सामाजिक सर्वेक्षण, प्रायोगिक विधि, ऐतिहासिक विधि, सामग्री विश्लेषण विधि	
	गतिविधि- छात्र एक मॉक केस स्टडी (जैसे, एक सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजना) प्रस्तुत करते हैं और इसकी प्रक्रिया, लाभ और सीमाओं की व्याख्या करते हैं।	
तृतीय	डेटा संग्रह और अनुसंधान डिजाइन के तरीके:- • डेटा के स्रोत, डेटा के रूप, डेटा संग्रह के सिद्धांत • डेटा संग्रह की विभिन्न विधियाँ: अवलोकन साक्षात्कार प्रश्नावली और अनुसूची। • नमूनाकरण- जनसंख्या, ब्रह्मांड, प्रकार, तकनीक और प्रक्रियाएँ। • अनुसंधान डिजाइन - अर्थ उद्देश्य, कार्य। • परिकल्पना - अर्थ, प्रकार, सूत्रीकरण और परीक्षण।	15
	सारबिन्दु – डेटा संग्रह, अनुसंधान डिजाइन, अवलोकन साक्षात्कार प्रश्नावली और अनुसूची, जनसंख्या, ब्रह्मांड, प्रकार, तकनीक और प्रक्रियाएँ,	
	गतिविधि- अवलोकन और साक्षात्कार तकनीकों (जैसे, सहकर्मी व्यवहार का अवलोकन करना या अध्ययन की आदतों के बारे में सहपाठी का साक्षात्कार करना) का अभ्यास करने के लिए छात्रों की जोड़ी बनाएँ।	
चतुर्थ	सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी विधि • सामाजिक अनुसंधान में सांख्यिकी का उपयोग। • सांख्यिकी में पैरामीट्रिक और गैर पैरामीट्रिक अवधारणा। • विभिन्न सांख्यिकी विधियाँ - औसत, माध्य, माध्यिका, बहुलक, फैलाव, टी-परीक्षण, ची स्क्वायर परीक्षण, एनोवा, सहसंबंध और प्रतिगमन।	15
	सारबिन्दु – सामाजिक अनुसंधान, सांख्यिकी विधि, औसत, माध्य, माध्यिका, बहुलक, फैलाव, टी-परीक्षण, ची स्क्वायर परीक्षण, एनोवा, सहसंबंध और प्रतिगमन।	
	गतिविधि- मार्गदर्शन के साथ ची-स्क्वायर परीक्षण चलाने के लिए एक सरल डेटासेट (जैसे, ऑनलाइन/ऑफ़लाइन कक्षाओं के लिए लिंग बनाम वरीयता) का उपयोग करें।	
पंचम	शोध परियोजना की व्याख्या, प्रस्तुति और रिपोर्ट लेखन:- • व्याख्या और प्रस्तुति की अवधारणा, सारणीकरण और वर्गीकरण, आरेख, मानचित्र और ग्राफ़ का उपयोग। • संदर्भ, फुटनोट, शोध सार और ग्रंथ सूची के लिए मानक प्रारूप। • रिपोर्ट लेखन - अलग-अलग चरण।	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – शोध परियोजना, रिपोर्ट लेखन, आरेख, मानचित्र और ग्राफ़ का उपयोग, फ़ुटनोट, शोध सार और ग्रंथ सूची	
	गतिविधि- विभिन्न स्रोतों (पुस्तकें, पत्रिकाएँ, वेबसाइट) के लिए संदर्भ और फ़ुटनोट्स को फ़ॉर्मेट करने का अभ्यास करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Devendra Thakur – Research methods in social survey.
2. डा. सुरेन्द्र सिंह - सामाजिक अनुसंधान
3. Dr. Kathar – Research methodology, methods and Teaching
4. Dr. Sanjay Bhattacharya – Social work : An Integrated Approach
5. C.R. Kothari – Research Methodology methods & Techniques

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction

Program: P.G.	Class: M.S.W.	Year: Second Year	Session:2025-26

Subject: Master of Social Work

1	**Course Code**	**CC-32**
2	**Course Title**	**Introduction to Criminology**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Define key concepts and theories in criminology. 2. Explain the causes and types of crime from various theoretical perspectives. 3. Analyze the role of social, economic, and cultural factors in criminal behavior. 4. Describe the structure and function of the criminal justice system. 5. Evaluate crime prevention strategies and approaches to criminal rehabilitation.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Criminology: Concept: Definition and Scope, Relation of Criminology as a Social Science with other Social Sciences, Sociology of Crime and Deviant Behaviour, **Key word-** Criminology, Social Sciences, Deviant Behavior **Activity-** Have students make a list of social sciences (e.g., sociology, psychology, law) and write short explanations.	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

II	Development of Criminological Thoughts, pre classical, classical, neo classical theories Positive school, sociological theories etc.	15
	Key word- Criminological Thought, Positive School, Neo Classical Theory	
	Activity-Have students create a timeline of criminology theories (pre-classical to sociological) using digital tools.	
III	Crime: Meaning, Definition, Element, Causes Prevention & Control	15
	Key word- Crime, elements, causes, prevention	
	Activity- Provide a brief hypothetical crime scenario (e.g., theft or cybercrime). Students identify possible causes (social, economic) and write an article.	
IV	Juvenile Delinquency: Meaning, Definition, Causes, Prevention & Control	15
	Key word- Juvenile delinquency, causes, prevention and control	
	Activity –Write an essay on the role (e.g., social worker, judge, parent, teen).	
V	Forms of Crime: Organized Crime, White – Collar Crime, Cyber Crimes, Terrorism, Crime against women, crime against children etc.	15
	Key word- Organized crime, white collar crime, cyber crime, terrorism,	
	Activity –Make a poster showing the causes of cyber crime.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Pelfrey, Villian V.- The Evolution of Criminology 2. Mannheim, Herman- Pioneers in Criminology 3. Mannheim, Herman- Comparative Criminology 4. Barnes, H.E. and Teeters N.K.- New Horizons in Criminology 5. Cressy, D.R.- Criminology 6. De Quiros, C.B.- Modern Theories of Criminology 7. Fox, V.- Introduction to Criminology 8. Gibbons, D.C.- Society, Crime and Criminal Careers 9. Meier, R.F. -Theories in Criminology 10. Redeless, Walter C.- The Crime Problem 11. Schafer S.- Theories in Criminology 12. Sutherland, E,H.- Criminology 13. Sutherland, E.H. -White Collar Crime 14. Sutherland, E.H. and Cressey, D.R. - Principles of Criminology 15. Talor, I., Welton, P. and Young,. J.- The New Criminology 16. Talor, I., Walton,. P. and Young,. J.- Critical Criminology 17. Vold, G.B.- Theoretical Criminology 18. Quinney, Richord- Criminology 19. Crinard, Marshall, B. and Caniel,. J- Crime in Developing Countries 20. Roger Hood and Richard Sparks- Key Issues in Criminology 21. Adler, Freda- The Incidence of Female Criminality in the Contemporary World 22. Rao, Venugopal- Facets of Crime in India 23. Seth, H- Juvenile Delinquency in Indian Setting 24. Verma, S.C.- The Young Delinquent
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-32	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अपराधशास्त्र का परिचय	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. अपराध विज्ञान में प्रमुख अवधारणाओं और सिद्धांतों को समझ सकेगें। 2. विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोणों से अपराध के कारणों और प्रकारों को समझ सकेगें। 3. आपराधिक व्यवहार में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेगें। 4. आपराधिक न्याय प्रणाली की संरचना और कार्य एवं वर्णन को समझ सकेगें। 5. अपराध रोकथाम रणनीतियों और आपराधिक पुनर्वास के दृष्टिकोण का मूल्यांकन कर पायेगें।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	अपराध विज्ञान: अवधारणा: परिभाषा और क्षेत्र , सामाजिक विज्ञान के रूप में अन्य सामाजिक विज्ञान के साथ अपराध विज्ञान का संबंध, अपराध और विचलित व्यवहार का समाजशास्त्र,	15
	सारबिन्दु – अपराध विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, विचलित व्यवहार	
	गतिविधि- छात्र सामाजिक विज्ञानों (जैसे, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, कानून) की एक सूची बनायें एवं संक्षिप्त व्याख्याएँ लिखें।	
द्वितीय	अपराधशास्त्रीय विचारों का विकास, पूर्व शास्त्रीय, शास्त्रीय, नव शास्त्रीय सिद्धांत, सकारात्मक स्कूल, समाजशास्त्रीय सिद्धांत आदि।	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

•	**सारबिन्दु** – अपराधशास्त्रीय विचार, सकारात्मक स्कूल, नव शास्त्रीय सिद्धांत, **गतिविधि-** छात्र डिजिटल टूल का उपयोग करके अपराध विज्ञान सिद्धांतों (पूर्व-शास्त्रीय से समाजशास्त्रीय) की एक समयरेखा बनायें।	
तृतीय	अपराध: अर्थ, परिभाषा, तत्व, कारण, रोकथाम एवं नियंत्रण **सारबिन्दु** – अपराध, तत्व, कारण, रोकथाम **गतिविधि-** एक संक्षिप्त काल्पनिक अपराध परिदृश्य प्रदान करें (जैसे, चोरी या साइबर अपराध)। छात्र संभावित कारणों (सामाजिक, आर्थिक) की पहचान करें और लेख लिखें।	15
चतुर्थ	किशोर अपराध: अर्थ, परिभाषा, कारण, रोकथाम और नियंत्रण **सारबिन्दु** – किशोर अपराध, कारण, रोकथाम और नियंत्रण **गतिविधि-** भूमिका (जैसे, सामाजिक कार्यकर्ता, न्यायाधीश, माता-पिता, किशोर) पर लेख लिखें।	15
पंचम	अपराध के रूप: संगठित अपराध, सफेदपोश अपराध, साइबर अपराध, आतंकवाद, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, बच्चों के विरुद्ध अपराध आदि। **सारबिन्दु** – संगठित अपराध, सफेदपोश अपराध, साइबर अपराध, आतंकवाद, **गतिविधि-** साइबर अपराध के कारणों का प्रदर्शित करना हुआ पोस्टर बनायें।	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1- Pelfrey, Villian V.- The Evolution of Criminology
2- Mannheim, Herman- Pioneers in Criminology
3- Mannheim, Herman- Comparative Criminology
4- Barnes, H.E. and Teeters N.K.- New Horizons in Criminology
5- Cressy, D.R.- Criminology
6- De Quiros, C.B.- Modern Theories of Criminology
7- Fox, V.- Introduction to Criminology
8- Gibbons, D.C.- Society, Crime and Criminal Careers
9- Meier, R.F. -Theories in Criminology
10- Redeless, Walter C.- The Crime Problem
11- Schafer S.- Theories in Criminology
12- Sutherland, E,H.- Criminology
13- Sutherland, E.H. -White Collar Crime
14- Sutherland, E.H. and Cressey, D.R. - Principles of Criminology
15- Talor, I., Welton, P. and Young,. J.- The New Criminology
16- Talor, I., Walton,. P. and Young,. J.- Critical Criminology
17- Vold, G.B.- Theoretical Criminology
18- Quinney, Richord- Criminology
19- Crinard, Marshall, B. and Caniel,. J- Crime in Developing Countries
20- Roger Hood and Richard Sparks- Key Issues in Criminology
21- Adler, Freda- The Incidence of Female Criminality in the Contemporary World
22- Rao, Venugopal- Facets of Crime in India
23- Seth, H- Juvenile Delinquency in Indian Setting
24- Verma, S.C.- The Young Delinquent

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work			
1	**Course Code**	**CC-33**	
2	**Course Title**	**Penology**	
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**	
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work	
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Explain the historical development and philosophical foundations of punishment and corrections. 2. Describe various forms of punishment, including imprisonment, probation, parole, and alternative sanctions. 3. Analyze the effectiveness of correctional systems in crime control and rehabilitation. 4. Evaluate contemporary issues in penology, such as prison overcrowding, human rights, and prison reform. 5. Apply penological theories to real-world criminal justice practices and policies.	
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**
I	Penology: Meaning & Scope, punishment, meaning type & objectives, capital punishment	15
	Key word- Penology, punishment, death penalty	
	Activity- Students should create a table comparing different types of punishments (e.g., fines, imprisonment, community	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	service, death penalty).	
II	Theories of Punishment	15
	Key word- Punishment	
	Activity- Divide students into groups to defend one theory (retribution, deterrence, rehabilitation, incapacitation). Each group presents arguments for why their theory is most effective. Hold a class vote.	
III	Imprisonment: Objectives & Trends.	15
	Key word- Imprisonment	
	Activity-Prepare reports by conducting case studies on prison systems.	
IV	Theories of Punishment, Imprisonment: Objectives & Trends.	15
	Key word- Theories of punishment, imprisonment: objectives and trends.	
	Activity –Assign roles (judge, prisoner, prison reform worker, policy maker). Students discuss theories of punishment and have a group discussion.	
V	Prison Administration in India, Prison Reform in India, Prison Reform in MP	15
	Key word- Prison Administration in India, Prisons in Madhya Pradesh	
	Activity –Students should research prison reforms (e.g., overcrowding, rehabilitation programmes) in India or Madhya Pradesh and prepare a presentation of 100 words suggesting practical reforms.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Newman, Graeme- The Punishment Response 2. Wright, Erik Olin- The Politics of Punishment 3. Menninger, Rarl- The Crime of Punishment 4. Orland, Leonard- Prisons: Houses of Darkness 5. Calvert, E. Roy- Capital Punishment in the Twentieth Century 6. Frankel, Marvin E.- Criminal Sentences: Law Without Order 7. Hogarth John- Sentencing as a Human Process 8. Gillin, John Lewls- Criminology and Penology 9. Barnes and Teeters- New Horizons in Criminology 10. Rajput, Diwakar Singh –Jail Reforms and Prisoners' Welfare 11. Bhusan, Vidya- Prison Administration in India 12. Datir, R.N. - Prisons and Society : A Study of the Indian Jail System, Government of India- Report of National Expert Committee on Women Prisoners, Vol. I and II 13. Gillin, John Lewis- Criminology and Penology 14. Srivastava, S.P.- The Indian Prison Community
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्ल .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-33	
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**दंडशास्त्र**	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**इलेक्टिव**	
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।	
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	1. दंड और सुधार के ऐतिहासिक विकास और दार्शनिक आधारों की व्याख्या कर पायेगें। 2. कारावास, परिवीक्षा, पैरोल और वैकल्पिक प्रतिबंधों सहित दंड के विभिन्न रूपों को समझ सकेगें। 3. अपराध नियंत्रण और पुनर्वास में सुधारात्मक प्रणालियों की प्रभावशीलता का विश्लेषण कर पायेगें। 4. दंडशास्त्र में समकालीन मुद्दों का मूल्यांकन जैसे कि जेल में भीड़भाड़, मानवाधिकार और जेल सुधार पर विचार कर सकेगें। 5. दंडशास्त्रीय सिद्धांतों को वास्तविक दुनिया की आपराधिक न्याय प्रथाओं और नीतियों को समझ सकेगें।	
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	दंडशास्त्र: अर्थ और दायरा, सजा, अर्थ प्रकार और उद्देश्य, मृत्युदंड **सारबिन्दु** – दंडशास्त्र, सजा, मृत्युदंड **गतिविधि-** छात्र विभिन्न प्रकार के दंडों (जैसे, जुर्माना, कारावास, सामुदायिक सेवा, मृत्युदंड) की तुलना करते हुए एक तालिका बनायें ।	15
द्वितीय	दण्ड के सिद्धांत, **सारबिन्द** – दण्ड	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि- छात्रों को एक सिद्धांत (प्रतिशोध, निवारण, पुनर्वास, अक्षमता) का बचाव करने के लिए समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह अपने सिद्धांत के सबसे प्रभावी होने के लिए तर्क प्रस्तुत करें और कक्षा में मतदान करें।	
तृतीय	कारावास: उद्देश्य एवं प्रवृतियाँ।	15
	सारबिन्दु – कारावास	
	गतिविधि- जेल प्रणालियों पर केस स्टडी कर रिपोर्ट तैयार करें।	
चतुर्थ	दण्ड, कारावास के सिद्धांत: उद्देश्य एवं प्रवृतियाँ।	15
	सारबिन्दु – कारावास के सिद्धांत	
	गतिविधि- भूमिकाएँ सौंपे (न्यायाधीश, कैदी, जेल सुधार कार्यकर्ता, नीति निर्माता)। छात्र सजा के सिद्धांतों और समूह चर्चा करें।	
पंचम	भारत में जेल प्रशासन, भारत में जेल सुधार, मध्य प्रदेश में जेल सुधार	15
	सारबिन्दु – भारत में जेल प्रशासन, मध्य प्रदेश में जेल	
	गतिविधि- छात्र भारत या मध्य प्रदेश में जेल सुधारों (जैसे, भीड़भाड़, पुनर्वास कार्यक्रम) पर शोध कर व्यावहारिक सुधारों का सुझाव देते हुए 100 शब्दों में प्रस्तुतीकरण तैयार करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठय संसाधन/ पाठय सामग्री :

1- Newman, Graeme- The Punishment Response
2- Wright, Erik Olin- The Politics of Punishment
3- Menninger, Rarl- The Crime of Punishment
4- Orland, Leonard- Prisons: Houses of Darkness
5- Calvert, E. Roy- Capital Punishment in the Twentieth Century
6- Frankel, Marvin E.- Criminal Sentences: Law Without Order
7- Hogarth John- Sentencing as a Human Process
8- Gillin, John Lewls- Criminology and Penology
9- Barnes and Teeters- New Horizons in Criminology
10- Rajput, Diwakar Singh –Jail Reforms and Prisoners' Welfare
11- Bhusan, Vidya- Prison Administration in India
12- Datir, R.N. - Prisons and Society : A Study of the Indian Jail System, Government of India- Report of National Expert Committee on Women Prisoners, Vol. I and II
13- Gillin, John Lewis- Criminology and Penology
14- Srivastava, S.P.- The Indian Prison Community

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work

1	**Course Code**	CC-34
2	**Course Title**	**Women and Society**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the social roles and status of women across contexts. 2. Identify key issues related to gender inequality. 3. Analyze the impact of institutions on women's lives. 4. Apply feminist perspectives to contemporary social issues.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Social Construction of Gender** Gender as a sociological category: Sex vs. gender, gender roles and sexual division of labour	15
	Key word- Gender, gender roles, sexual division	
	Activity- discussion, short skits showing	
II	**Feminist Thoughts**	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Marxist – Socialists, Liberationalist, Radicals, Post-modernist; Feminist Methodology as a critiques of sociological methods.	
	Key word- Gender, gender roles, sexual division	
	Activity- classroom debate, poster	
III	**Political Economy of Gender:** Women and structural adjustment Programmes in India Women's issues – Economic Parameters Budgetary Policy: A Gender analysis	**15**
	Key word- Feminist views, Marxist, socialist, libertarian, radical, postmodernist	
	Activity- present short report, assign small group on budgeting	
IV	**Social Change and Gender Relation:** New Social Movements and Gender in India Challenges of the New Millennium and Voluntary Organizations Effective Governance: Importance of Women's Leadership in Local Bodies	**15**
	Key word- Social change, gender relations, social movements, women's leadership	
	Activity –use case study, simulate a village council	
V	**Women's Studies** Emergence of Women's studies Centers Dynamics of Women's Studies Women's Movement in India	**15**
	Key word- Women's Studies, Mobility, Women's Movement	
	Activity –poster, discussion, public speaking	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Bhagwat, Vidyut. 2004. *Feminist Social Thought.* Jaipur: Rawat.
2. Dube, Leela (ed). 2001. *Anthropological Explorations in Gender.* Delhi: Sage.
3. Everelt, Jana M. 1981. *Women and Social Change in India*. New Delhi: Heritage Publishers.
4. Firestone, Sulahmith. 1975. *The Dialectic of Sex*. New York: Morrow.
5. John, Mary E. 1996. „Gender and Development in India 1970-1990s: Some Reflection on the Constitute Role of Contexts", *Economic and Political Weekly*. vol 31, No. 47.
6. Krishnaraj, M. et-al. (eds.). 1989. *Gender and the Household Domain*. New Delhi: Sage.
7. Mies, M. 1980. *Indian Women and Patriarchy*. New Delhi: Concept Publishing.
8. Oakley, A. 1972. *Sex, Gender, and Society*. New York: Harper and Rao.
9. Rege, S. 2003 *Sociology of Gender: The Challenge of Feminists Sociological Knowledge*. New Delhi: Sage.
10. Seth, M. 2001. *Women and Development: The Indian Experience*. New Delhi: Sage.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-34
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**महिलाएँ और समाज**
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**इलेक्टिव**
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	1. विभिन्न संदर्भों में महिलाओं की सामाजिक भूमिका और स्थिति को समझ सकेगें । 2. लैंगिक असमानता से संबंधित प्रमुख मुद्दों की पहचान कर सकेगें । 3. महिलाओं के जीवन पर संस्थाओं के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेगें । 4. समकालीन सामाजिक मुद्दों पर नारीवादी दृष्टिकोण लागू कर सकेगें ।
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	लिंग का सामाजिक निर्माण एक समाजशास्त्रीय श्रेणी के रूप में लिंग: लिंग बनाम लिंग, लिंग भूमिकाएं और श्रम का यौन विभाजन **सारबिन्दु** – लिंग, लिंग भूमिकाएं, यौन विभाजन **गतिविधि-** चर्चा, लघु नाटक दिखाना	15
द्वितीय	नारीवादी विचार मार्क्सवादी - समाजवादी, मुक्तिवादी, कट्टरपंथी, उत्तर आधुनिकतावादी; समाजशास्त्रीय तरीकों की आलोचना के रूप में नारीवादी पद्धति। **सारबिन्दु** – नारीवादी विचार, मार्क्सवादी , समाजवादी, मुक्तिवादी, कट्टरपंथी, उत्तर आधुनिकतावादी, **गतिविधि-** कक्षा वाद-विवाद, पोस्टर	15
तृतीय	लिंग की राजनीतिक अर्थव्यवस्था:	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	भारत में महिलाएँ और संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम महिलाओं के मुद्दे - आर्थिक मानदंड बजटीय नीति: लिंग विश्लेषण	
	सारबिन्दु – राजनीतिक अर्थव्यवस्था, बजटीय नीति, लिंग विश्लेषण	
	गतिविधि- लघु रिपोर्ट प्रस्तुत करना, बजट पर छोटे समूह को नियुक्त करना	
चतुर्थ	सामाजिक परिवर्तन और लिंग संबंध: भारत में नए सामाजिक आंदोलन और लिंग नई सहस्राब्दी की चुनौतियां और स्वैच्छिक संगठन प्रभावी शासन: स्थानीय निकायों में महिला नेतृत्व का महत्व	15
	सारबिन्दु – सामाजिक परिवर्तन, लिंग संबंध, सामाजिक आंदोलन, महिला नेतृत्व	
	गतिविधि- केस स्टडी का उपयोग करना, ग्राम परिषद का अनुकरण करना	
पंचम	महिला अध्ययन महिला अध्ययन केंद्रों का उदय महिला अध्ययन की गतिशीलता भारत में महिला आंदोलन	15
	सारबिन्दु – महिला अध्ययन, गतिशीलता, महिला आंदोलन	
	गतिविधि- पोस्टर, चर्चा, सार्वजनिक भाषण	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1- Bhagwat, Vidyut. 2004. *Feminist Social Thought.* Jaipur: Rawat.
2- Dube, Leela (ed). 2001. *Anthropological Explorations in Gender.* Delhi: Sage.
3- Everelt, Jana M. 1981. *Women and Social Change in India.* New Delhi: Heritage Publishers.
4- Firestone, Sulahmith. 1975. *The Dialectic of Sex.* New York: Morrow.
5- John, Mary E. 1996. „Gender and Development in India 1970-1990s: Some Reflection on the Constitute Role of Contexts", *Economic and Political Weekly.* vol 31, No. 47.
6- Krishnaraj, M. et-al. (eds.). 1989. *Gender and the Household Domain.* New Delhi: Sage.
7- Mies, M. 1980. *Indian Women and Patriarchy.* New Delhi: Concept Publishing.
8- Oakley, A. 1972. *Sex, Gender, and Society.* New York: Harper and Rao.
9- Rege, S. 2003 *Sociology of Gender: The Challenge of Feminists Sociological Knowledge.* New Delhi: Sage.
10- Seth, M. 2001. *Women and Development: The Indian Experience.* New Delhi: Sage.

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work

1	**Course Code**	CC-35
2	**Course Title**	**Child Welfare and Development**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the fundamental concepts of child welfare, rights, and development. 2. Identify key issues affecting child well-being, such as abuse, neglect, poverty, and exploitation. 3. Analyze policies, programs, and services related to child protection and development. 4. Apply developmental theories to assess children's physical, emotional, and social growth. 5. Demonstrate knowledge of intervention strategies that promote child welfare in various contexts.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**
I	Concept and nature of Welfare and Development Models of Child Development **Key word-** Child development, development models	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity- group poster, presentation, policy review	
II	Child Welfare: Signification and Areas Need of Children: Physical, Psychological, Social: Emotional and Educational Problems, Fulfillment of Different needs.	
	Key word- Child welfare, psychological, educational problems,	
	Activity- Case analysis	
III	Process of Socialization of Children Process and Problems of Children in Especially in Difficult Circumstances.	15
	Key word- Socialization	
	Activity- Group discussions, poster making- on socialization	
IV	Right of the Child: UN Convention on the right of Child; Programmes and Planning in India	15
	Key word- Child rights, United Nations	
	Activity –Making a Chart-Child Rights	
V	Child Marriage Child Abuse Trafficking	15
	Key word- Child marriage, child abuse, trafficking	
	Activity –Debate, discussion, making reports on child welfare schemes.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Bandura, A. (1963). *Social learning and personality development*. New York: Holt, Rinehart, & Winston. 2. Bronfenbrenner, U. (1986). Ecology of the family as a context for human development: Research perspectives. *Developmental Psychology, 22,* 723-742. 3. Crittenden, P. M. (1985). Social networks, quality of child rearing, and child development. *Child Development, 56*(5), 1299-1313. 4. Erikson, E. (1985). *Childhood and society*. 35th anniversary ed. New York: W.W. Norton. 5. Rycus, J., and Hughes, R. (1998). *Field Guide to Child Welfare: Child Development and Child Welfare.* Arlington, VA: CWLA. 6. Rycus, J., and Hughes, R. (1998). *Field Guide to Child Welfare: Child Development and Child Welfare.* Arlington, VA: CWLA.
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-35	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	बाल कल्याण एवं विकास	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोतर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. बाल कल्याण, अधिकार और विकास की मूलभूत अवधारणाओं को समझेंगे । 2. बाल कल्याण को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों की पहचान कर पायेगें, जैसे दुर्व्यवहार, उपेक्षा, गरीबी और शोषण 3. बाल संरक्षण और विकास से संबंधित नीतियों, कार्यक्रमों और सेवाओं का विश्लेषण करेंगें। 4. बच्चों के शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास का आकलन करने के लिए विकासात्मक सिद्धांतों को लागू करेंगें। 5. विभिन्न संदर्भों में बाल कल्याण को बढ़ावा देने वाली हस्तक्षेप रणनीतियों के ज्ञान का प्रदर्शन करेंगें।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	बाल विकास के कल्याण और विकास मॉडल की अवधारणा और प्रकृति	15
	सारबिन्दु – बाल विकास, विकास मॉडल	
	गतिविधि- समूह पोस्टर , प्रस्तुति, नीति समीक्षा	
दृवितीय	बाल कल्याण: महत्व और क्षेत्र बच्चों की ज़रूरतें: शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक: भावनात्मक और शैक्षिक समस्याएँ, विभिन्न ज़रूरतों की पूर्ति।	15
	सारबिन्दु – बाल कल्याण, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक समस्याएँ,	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

•	**गतिविधि-** केस विश्लेषण,	
तृतीय	बच्चों के समाजीकरण की प्रक्रिया, विशेषकर कठिन परिस्थितियों में बच्चों की प्रक्रिया और समस्याएँ।	15
	सारबिन्दु – समाजीकरण	
	गतिविधि- समूह चर्चा, पोस्टर बनाना -समाजीकरण पर	
चतुर्थ	बाल अधिकार: बाल अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन; भारत में कार्यक्रम और योजना	15
	सारबिन्दु – बाल अधिकार, संयुक्त राष्ट्र	
	गतिविधि- चार्ट बनाना-बाल अधिकारों का	
पंचम	बाल विवाह बाल शोषण तस्करी	15
	सारबिन्दु – बाल विवाह,बाल शोषण,तस्करी	
	गतिविधि- वाद-विवाद, चर्चा, बाल कल्याण योजनाओं पर प्रतिवेदन बनाना।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1- Bandura, A. (1963). *Social learning and personality development.* New York: Holt, Rinehart, & Winston.

2- Bronfenbrenner, U. (1986). Ecology of the family as a context for human development: Research perspectives. *Developmental Psychology, 22,* 723-742.

3- Crittenden, P. M. (1985). Social networks, quality of child rearing, and child development. *Child Development, 56*(5), 1299-1313.

4- Erikson, E. (1985). *Childhood and society.* 35th anniversary ed. New York: W.W. Norton.

5- Rycus, J., and Hughes, R. (1998). *Field Guide to Child Welfare: Child Development and Child Welfare.* Arlington, VA: CWLA.

6- Rycus, J., and Hughes, R. (1998). *Field Guide to Child Welfare: Child Development and Child Welfare.* Arlington, VA: CWLA.

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work		
1	**Course Code**	**CC-36**
2	**Course Title**	**Concept and Theories in Development Studies**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Define key concepts and approaches in development studies. 2. Compare and contrast major development theories, including modernization, dependency, world-systems, and post-development. 3. Analyze the historical and ideological foundations of development thinking. 4. Evaluate the impact of development policies and practices on different societies. 5. Apply theoretical frameworks to assess contemporary development challenges
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**

I	**Understanding Development** What is Development The Invention of Development	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

	Key word- Development, invention	
	Activity- Development Timeline Exercise - Participants create a timeline showcasing key milestones in global development history. - Helps visualize how development theories and practices have evolved.	
II	**Development and legacies of Colonialism** Colonial mode of production and Underdevelopment Citizen and subject Poverty and Famine	15
	Key word- Colonialism, underdevelopment, civil war, poverty and famine	
	Activity- Mapping Colonial Legacies - Groups create maps that show how colonial boundaries still affect modern nations.	
III	**Modernization and Dependency Theory** Science, ideology and evolutionary Progress of Society Passing of Traditional Society The Development of Underdevelopment The Uneven Development	15
	Key word- Modernization, science, ideology, traditional society, uneven development	
	Activity-Traditional vs. Modern Society Simulation - Participants write essays on the transition from traditional to modern society.	
IV	**The Post-Dependency Approach** Actor oriented Approach Social Capital Local Knowledge	15
	Key word- Post-dependency, actors, social capital, local knowledge	
	Activity –Local Knowledge Documentation Challenge - Participants collect traditional knowledge from elders or community members and prepare documents. - They analyze how local knowledge contributes to sustainable development.	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

V	**Neolibrealism** History of neoliberalism Globalism and Neoliberalism	15
	Key word- Neoliberalism, globalization	
	Activity –Neoliberal Policy Debate - Participants present their views as supporters and critics of neoliberal policies.	
	Total Lectures	**75 Hours**

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Myrdal, Gunnar. 1974. "What is Development?" Journal of Economic Issues 8(4):729-736.
2. Mamdani, Mahmood. 1996. Citizen and Subject. Princeton: Princeton University Press. (Read pages 1-179).
3. Scott, David. 1995. "Colonial Governmentality." Social Text 43:191-220.
4. Lerner, Daniel. 1958. The Passing of Traditional Society: Modernizing the Middle East. New York: The Free Press.
5. Eisenstadt, S. N. 1974. "Studies of Modernization and Sociological Theory." History and Theory 13(3):225- 252
6. Frank, Andre Gunder. 1969. "The development of underdevelopment" Monthly Review 18(4):17- 31.
7. Smith, Tony. 1979. "The Underdevelopment of Development Literature: The Case of Dependency Theory." World Politics. 31(2):247-288
8. Harvey, David. 2005. A Brief History of Neoliberalism. Oxford: Oxford University Press. (Read pages 1-86.)
9. Krueger, Anne O. 1990. "Government Failures in Development." Journal of Economic Perspectives 4 (3):9-23.
10. Sen, Amartya, 1985. Poverty and Famines. An Essay on Entitlement, OUP: New Delhi
11. Agrawal, A. 1995. Dismantling the Divide between Indigenous and Scientific Knowledge, *Development and Change,* Vol.26
12. Putnam, Robert D. 1993, Making Democracy Work: Civic Traditions in Modern Italy, Princeton: Princeton University Press, 1993
13. Chambers, R. 1983, Rural Development: Putting the lat first, Rutledge: London
14. Long, N., 1992, From paradigm lost to paradigm regained? The case for an actor-oriented sociology of development, in: Long, N. and A. Long (eds.), Battlefields of knowledge. The Interlocking of Theory and Practice in Social Research and Development. London/New York: Routledgc. Pp. 16-43
15. Esteva, Gustavo. 1991. "Development." Pp. 1-23 in Wolfgang Sachs (ed), The

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Development Dictionary. London: Zed Books.
16. Peet, Richard. 2003. "Globalism and Neoliberalism." Pp. 1-23 in Unholy Trinity: The IMF, World Bank and WTO. London and New York: Zed Books.

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.
Maximum Marks:100
CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-36	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	विकासात्मक अध्ययन का परिचय	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विकास अध्ययनों में प्रमुख अवधारणाओं और दृष्टिकोणों को परिभाषित कर पायेगें। 2. आधुनिकीकरण, निर्भरता, विश्व-प्रणाली और उत्तर-विकास सहित प्रमुख विकास सिद्धांतों की तुलना और अंतर कर सकेगें। 3. विकास संबंधी सोच के ऐतिहासिक और वैचारिक आधारों का विश्लेषण कर सकेगें। 4. विभिन्न समाजों पर विकास नीतियों और प्रथाओं के प्रभाव का मूल्यांकन कर सकेगें। 5. समकालीन विकास चुनौतियों का आकलन करने के लिए सैद्धांतिक रूपरेखा लागू कर सकेगें।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	विकास को अर्थ, परिभाषा विकास क्या है विकास का आविष्कार **सारबिन्दु** – विकास, आविष्कार **गतिविधि-** विकास समयरेखा अभ्यास विकास सिद्धांत का विकास कैसे हुआ इसका फ्लो चार्ट बनायें।	15
द्वितीय	उपनिवेशवाद का विकास और विरासत औपनिवेशिक उत्पादन पद्धति और अविकसिता नागरिक और विषय	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गरीबी और अकाल **सारबिन्दु** – उपनिवेशवाद, अविकसितता, नागरिक, निर्धनता और अकाल **गतिविधि-** औपनिवेशिक विरासतों का मानचित्रण - समूह मानचित्र बनायें जो दिखाते हों कि औपनिवेशिक सीमाएँ अभी भी आधुनिक राष्ट्रों को कैसे प्रभावित करती हैं।	
तृतीय	आधुनिकीकरण और निर्भरता सिद्धांत विज्ञान, विचारधारा और समाज की विकासवादी प्रगति पारंपरिक समाज का खत्म होना अविकसितता का विकास असमान विकास **सारबिन्दु** – आधुनिकीकरण, विज्ञान, विचारधारा, पारंपरिक समाज, असमान विकास **गतिविधि-** पारंपरिक बनाम आधुनिक समाज सिमुलेशन - प्रतिभागी पारंपरिक से आधुनिक समाज में संक्रमण पर लेख लिखें।	15
चतुर्थ	पोस्ट-डिपेंडेंसी दृष्टिकोण अभिनेता उन्मुख दृष्टिकोण सामाजिक पूंजी स्थानीय ज्ञान **सारबिन्दु** – पोस्ट-डिपेंडेंसी,अभिनेता ,सामाजिक पूंजी, स्थानीय ज्ञान **गतिविधि-** स्थानीय ज्ञान प्रलेखन चुनौती - प्रतिभागी बुजुर्गों या समुदाय के सदस्यों से पारंपरिक ज्ञान एकत्र करें और लेख तैयार करें। - वे विश्लेषण करें हैं कि स्थानीय ज्ञान सतत विकास में कैसे योगदान देता है।	15
पंचम	नवउदारवाद नवउदारवाद का इतिहास वैश्वीकरण और नवउदारवाद **सारबिन्दु** – नवउदारवाद, वैश्वीकरण **गतिविधि-** नवउदारवाद नीति बहस - प्रतिभागी नवउदारवादी नीतियों के समर्थक और आलोचक के रूप में अपने विचार प्रस्तुत करें।	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1- Myrdal, Gunnar. 1974. "What is Development?" Journal of Economic Issues 8(4):729-736.

2- Mamdani, Mahmood. 1996. Citizen and Subject. Princeton: Princeton University Press. (Read pages 1-179).

3- Scott, David. 1995. "Colonial Governmentality." Social Text 43:191-220.

4- Lerner, Daniel. 1958. The Passing of Traditional Society: Modernizing the Middle East. New York: The Free Press.

5- Eisenstadt, S. N. 1974. "Studies of Modernization and Sociological Theory." History and Theory 13(3):225- 252

6- Frank, Andre Gunder. 1969. "The development of underdevelopment" Monthly Review 18(4):17-

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

31.
7- Smith, Tony. 1979. "The Underdevelopment of Development Literature: The Case of Dependency Theory." World Politics. 31(2):247-288
8- Harvey, David. 2005. A Brief History of Neoliberalism. Oxford: Oxford University Press. (Read pages 1-86.)
9- Krueger, Anne O. 1990. "Government Failures in Development." Journal of Economic Perspectives 4 (3):9-23.
10- Sen, Amartya, 1985. Poverty and Famines. An Essay on Entitlement, OUP: New Delhi
11- Agrawal, A. 1995. Dismantling the Divide between Indigenous and Scientific Knowledge, *Development and Change,* Vol.26
12- Putnam, Robert D. 1993, Making Democracy Work: Civic Traditions in Modern Italy, Princeton: Princeton University Press, 1993
13- Chambers, R. 1983, Rural Development: Putting the lat first, Rutledge: London
14- Long, N., 1992, From paradigm lost to paradigm regained? The case for an actor-oriented sociology of development, in: Long, N. and A. Long (eds.), Battlefields of knowledge. The Interlocking of Theory and Practice in Social Research and Development. London/New York: Routledgc. Pp. 16-43
15- Esteva, Gustavo. 1991. "Development." Pp. 1-23 in Wolfgang Sachs (ed), The Development Dictionary. London: Zed Books.
16- Peet, Richard. 2003. "Globalism and Neoliberalism." Pp. 1-23 in Unholy Trinity: The IMF, World Bank and WTO. London and New York: Zed Books.

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work		
1	**Course Code**	**CC-37**
2	**Course Title**	**Rural and Tribal Development**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the concept, scope and significance of rural development in the Indian context. 2. Analyse the socio-economic structure and challenges faced by rural communities in India. 3. Evaluate the major government policies, programmes and institutions involved in rural development. 4. Assess the role of Panchayati Raj Institutions, NGOs and community participation in rural progress. 5. Understand development models and strategies to address rural issues such as poverty, unemployment, education and health.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Rural Development Concept** Theories and Model in Rural Development	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

	Indicators of Rural Development and their measurement Concept of sustainable Rural Development	
	Key word- Rural Development, Indicators and their Measurement	
	Activity- Rural Development Case Study Analysis - Participants review real-world rural development projects. - They assess successes, challenges, and lessons learned.	
II	**Rural Governance in India** Historical Perspective on Rural Governance in India Basic concept of Indian administration for Rural Society Elements of Indian Constitution Panchayati Raj Institution	15
	Key word- Rural Governance in India, Historical Perspective, Elements of Constitution, Panchayati Raj Institution	
	Activity- Panchayati Raj Role Play - Participants play roles as Gram Panchayat members, villagers and government officials. Write a note on the work done by the Sarpanch.	
III	Rural Development Administration in India Development Administration in Rural India: Structure and Functions Role of bureaucracy in policy formulation, policy application and policy decision. Transition from rural development administration to rural development management. Participatory development management.	15
	Key word- Policy Formulation, Policy Application, Bureaucracy	
	Activity- Role of women in Rural Development Administration Make a poster on the work done by the female Sarpanch.	
IV	Rural Development Programmes in India	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Review of rural development programmes in the agriculture sector Social Sector - Review of rural development programmes in the field of health, sanitation and education. Review of rural development programmes in the field of social security. Review of recent poverty alleviation and employment generation programmes in rural India.	
	Key word- Health, sanitation, rural development, poverty alleviation, employment generation	
	Activity –Agriculture Development Workshop - Groups analyse and prepare reports on government schemes supporting farmers, such as PM-KISAN and IWMP.	
V	**Village in Development discourse** Village and the Planner Critical understanding of policy approaches to the village development	15
	Key word- development, village, planner	
	Activity –Village Economy and Livelihood Planning - Groups brainstorm business ideas that support rural economies. - Write articles on innovation in agriculture, handicrafts and eco-tourism.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Maheshwari, S.R. (1985). Rural Development in India, New Delhi, Sage Publications. 2. Padhy, Kishore chandra (1986). Rural Development in Modern India, New Delhi, B.R. Publishing Corporation. 3. Singh, Yogendra (1984). 'Changing Power Structure of Village Community: A Case Study of Six Villages in Eastern Uttar Pradesh', in A.R. Desai (ed.) Rural Sociology In India, Bombay, Popular Parkashan. 4. Randhawa et.al, (1974).Green Revolution, Vikas Publishing house, Delhi. 5. Matthai John (1915). Village Government in British India, Delhi, Neeraj Publishing House.
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर		कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क				
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-37		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारत में ग्रामीण विकास		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. भारतीय संदर्भ में ग्रामीण विकास की अवधारणा,क्षेत्र और महत्व को समझ सकेगें। 2. भारत में ग्रामीण समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली सामाजिक-आर्थिक संरचना और चुनौतियों का विश्लेषण कर सकेगें। 3. ग्रामीण विकास में शामिल प्रमुख सरकारी नीतियों, कार्यक्रमों और संस्थानों का मूल्यांकन कर सकेगें। 4. ग्रामीण प्रगति में पंचायती राज संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों और सामुदायिक भागीदारी की भूमिका का आकलन कर सकेगें। 5. गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे ग्रामीण मुद्दों को हल करने के लिए विकास मॉडल और रणनीतियों को समझ सकेगें।		
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40	

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	ग्रामीण विकास अवधारणा ग्रामीण विकास में सिद्धांत और मॉडल ग्रामीण विकास के संकेतक और उनका मापन स्थायी ग्रामीण विकास की अवधारणा	15
	सारबिन्दु – ग्रामीण विकास, संकेतक और उनका मापन	
	गतिविधि- ग्रामीण विकास केस स्टडी विश्लेषण	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	- प्रतिभागी वास्तविक दुनिया की ग्रामीण विकास परियोजनाओं की समीक्षा करें।	
द्वितीय	भारत में ग्रामीण शासन भारत में ग्रामीण शासन पर ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य ग्रामीण समाज के लिए भारतीय प्रशासन की मूल अवधारणा भारतीय संविधान के तत्व पंचायती राज संस्था	15
	सारबिन्दु – भारत में ग्रामीण शासन, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, संविधान के तत्व, पंचायती राज संस्था	
	गतिविधि- पंचायती राज भूमिका निभाना - प्रतिभागी ग्राम पंचायत सदस्यों, ग्रामीणों और सरकारी अधिकारियों के रूप में भूमिका निभाते हैं। सरपंच के किये गये कार्यो पर लेख लिखें।	
तृतीय	भारत में ग्रामीण विकास प्रशासन ग्रामीण भारत में विकास प्रशासन: संरचना और कार्य नीति निर्माण, नीति अनुप्रयोग और नीति निर्णय में नौकरशाही की भूमिका। ग्रामीण विकास प्रशासन से ग्रामीण विकास प्रबंधन में परिवर्तन। सहभागी विकास प्रबंधन।	15
	सारबिन्दु – नीति निर्माण, नीति अनुप्रयोग, नौकरशाही	
	गतिविधि- ग्रामीण विकास प्रशासन में महिलाओं की भूमिका - महिला सरपंच के किये गये कार्यो पर पोस्टर बनायें।	
चतुर्थ	भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रम कृषि क्षेत्र में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की समीक्षा सामाजिक क्षेत्र - स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की समीक्षा। सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की समीक्षा। ग्रामीण भारत में हाल ही में गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन कार्यक्रमों की समीक्षा।	15
	सारबिन्दु – स्वास्थ्य, स्वच्छता, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन , रोजगार सृजन	
	गतिविधि- कृषि विकास कार्यशाला - समूह किसानों का समर्थन करने वाली सरकारी योजनाओं, जैसे पीएम-किसान और आईडब्ल्यूएमपी का विश्लेषण कर रिपोर्ट बनायें।	
पंचम	विकास चर्चा में गांव गांव और योजनाकार गांव विकास के लिए नीति दृष्टिकोण की महत्वपूर्ण समझ	15
	सारबिन्दु – विकास, गांव, योजनाकार	
	गतिविधि- ग्राम अर्थव्यवस्था और आजीविका योजना	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	- समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करने वाले व्यावसायिक विचारों पर विचार-विमर्श करें। - कृषि, हस्तशिल्प और इको-पर्यटन में नवाचार पर लेख लिखें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Maheshwari, S.R. (1985). Rural Development in India, New Delhi, Sage Publications.
2. Padhy, Kishore chandra (1986). Rural Development in Modern India, New Delhi, B.R. Publishing Corporation.
3. Singh, Yogendra (1984). 'Changing Power Structure of Village Community: A Case Study of Six Villages in Eastern Uttar Pradesh', in A.R. Desai (ed.) Rural Sociology In India, Bombay, Popular Parkashan.
4. Randhawa et.al, (1974).Green Revolution, Vikas Publishing house, Delhi.
5. Matthai John (1915). Village Government in British India, Delhi, Neeraj Publishing House.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-38
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**Practicum (OR) / Participation with NGOs/Government Organizations/Others**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार समाज कार्य में बीए ऑनर्स या बीए ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के अनुसार बीएसडब्ल्यू ऑनर्स या बीएसडब्ल्यू ऑनर्स रिसर्च सहित उत्तीर्ण किया हो। अथवा 3. समाज कार्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया हो।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	
6	क्रेडिट मान	05
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	प्रायोगिक परीक्षा/ प्रोजेक्ट वर्क **सारबिन्दु** – प्रायोगिक परीक्षा/ प्रोजेक्ट वर्क **गतिविधि-**	
	कुल व्याख्यान	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

Suggested equivalent online courses:

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 100

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

बाह्य मूल्यांकन: 50 **आंतरिक मूल्यांकन - 50**		**कुलअंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G.		Class: M.S.W.	Year: Second Year	Session:2025-26
Subject: Master of Social Work				
1	Course Code	CC-38		
2	Course Title	Practicum (OR) / Participation with NGOs/Government Organizations/Others		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core course		
4	Pre-requisite (if any)	1. Passed BA Honours or BA Honours with Research in Social Work as per National Education Policy - 2020. Or 2. Passed BSW Honours or BSW Honours with Research as per National Education Policy - 2020. Or 3. Passed Post Graduate Diploma Course in Social Work		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Prepare the project report.		
6	Credit Value	05		
7	Total Marks	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 35	

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
	Prepare the project report.	

Part C-Learning Resources

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings:
Suggested equivalent courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Maximum Marks:100

External Assessment: 50 **Internal Evaluation - 50**		Total- 100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work

1	**Course Code**	**CC-41**
2	**Course Title**	**Human Resource Management**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Core course**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the core functions and principles of human resource management. 2. Analyze the processes of recruitment, selection, training, and performance appraisal. 3. Evaluate compensation, benefits, and employee relations strategies. 4. Apply HRM practices in compliance with labor laws and ethical standards. 5. Assess the role of HRM in organizational development and strategic planning.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Human Resource Management: Concept, Evolution, Philosophy, Signification, Objectives, Scope, Principles & Functions. Human Resource Manager: Role and Responsibilities.	15
	Key word- Human Resource, Concept, Development, Philosophy, Human Resource Manager	
	Activity- Role-play HR managers handling workplace scenarios	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	(e.g., hiring, conflict resolution). Discuss challenges.	
II	Human Resource Planning: Forecasting & Requirement, Selection, Induction and Training, Promotion and Transfer.	15
	Key word- Human resource planning, training, promotions and transfers.	
	Activity- Draft a hiring plan for a company, covering forecasting, selection, and induction steps.	
III	Job Analysis, Job Evolution, Performance Appraisal, Discipline, Wages and Salary Administration.	15
	Key word- Job analysis, job development, performance appraisal, discipline, wages, pay administration	
	Activity- Create a job description and appraisal form for a role, linking wages to responsibilities.	
IV	Participative Management: Concept, Objective and scope Approaches to Participation: Socialistic, Gandhian and Eclectic	15
	Key word- Participative management, Socialist, Gandhian, Liberal	
	Activity –Compare socialist, Gandhian, and eclectic participation approaches. Debate their relevance today.	
V	Workers Participation in Management in India, analysis and Consequences.	15
	Key word- Management, Partnership, Workers	
	Activity –Analyze a case (e.g., Tata Steel) on worker participation in India. Discuss outcomes and improvements.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Aswathapa K, 2007, "Human Resource Management", Tata McGraw Hill Pub.Co.Ltd, New Delhi. 2. Aswathappa K, 2000, "Organization Behaviour", 5th Ed, Himalaya Publishing House, New Delhi. 3. Aswathappa K, 2004, "Human Resource and Personnel Management: Text and Cases", 3rd Ed, Tata McGraw Hill Pub.Co.Ltd, New Delhi. 4. Bedian Arthur G and Glueck William F, 1983, "Management", 3rd Edition, HoldSaunders International Editions, The Dryden Press, Japan. 5. Bosotia G.R, 1999, "Human Resource Management",Mangal Deep Publications, Jaipur
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्ल्यू.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026	
विषय: सोशल वर्क				
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-41		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मानव संसाधन प्रबंधन		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. मानव संसाधन प्रबंधन के मुख्य कार्यों और सिद्धांतों को समझें। 2. भर्ती, चयन, प्रशिक्षण और प्रदर्शन मूल्यांकन की प्रक्रियाओं का विश्लेषण करें। 3. मुआवज़ा, लाभ और कर्मचारी संबंध रणनीतियों का मूल्यांकन करें। 4. श्रम कानूनों और नैतिक मानकों के अनुपालन में HRM प्रथाओं को लागू करें। 5. संगठनात्मक विकास और रणनीतिक योजना में HRM की भूमिका का आकलन करें।		
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40	

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	मानव संसाधन प्रबंधन: अवधारणा, विकास, दर्शन, महत्व, उद्देश्य, दायरा, सिद्धांत और कार्य। मानव संसाधन प्रबंधक: भूमिका और जिम्मेदारियाँ।	15
	सारबिन्दु – मानव संसाधन, अवधारणा, विकास, दर्शन, मानव संसाधन प्रबंधक	
	गतिविधि- कार्यस्थल परिदृश्यों (जैसे, भर्ती, संघर्ष समाधान) को संभालने वाले मानव संसाधन प्रबंधकों की भूमिका निभाएँ। चुनौतियों पर चर्चा करें।	
द्वितीय	मानव संसाधन नियोजन: पूर्वानुमान एवं आवश्यकता, चयन, प्रेरण एवं प्रशिक्षण, पदोन्नति एवं स्थानांतरण।	15
	सारबिन्दु – मानव संसाधन नियोजन, प्रशिक्षण, पदोन्नति एवं स्थानांतरण।	
	गतिविधि- पूर्वानुमान, चयन और प्रेरण चरणों को शामिल करते हुए किसी कंपनी के लिए भर्ती योजना का मसौदा तैयार करें।	
तृतीय	नौकरी विश्लेषण, नौकरी विकास, प्रदर्शन मूल्यांकन, अनुशासन, मजदूरी और वेतन प्रशासन।	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – नौकरी विश्लेषण, नौकरी विकास, प्रदर्शन मूल्यांकन, अनुशासन, मजदूरी , वेतन प्रशासन	
	गतिविधि- किसी भूमिका के लिए नौकरी का विवरण और मूल्यांकन प्रपत्र बनाएँ, जिसमें वेतन को ज़िम्मेदारियों से जोड़ा जाए।	
चतुर्थ	सहभागी प्रबंधन: अवधारणा, उद्देश्य और दायरा भागीदारी के दृष्टिकोण: समाजवादी, गांधीवादी और उदारवादी	15
	सारबिन्दु – सहभागी प्रबंधन, समाजवादी, गांधीवादी, उदारवादी	
	गतिविधि- समाजवादी, गांधीवादी और उदार भागीदारी दृष्टिकोणों की तुलना करें। आज उनकी प्रासंगिकता पर बहस करें।	
पंचम	भारत में प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी, विश्लेषण और परिणाम।	15
	सारबिन्दु – प्रबंधन, भागीदारी, श्रमिक	
	गतिविधि- भारत में श्रमिक भागीदारी पर एक मामले (जैसे, टाटा स्टील) का विश्लेषण करें। परिणामों और सुधारों पर चर्चा करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1- Aswathapa K, 2007, "Human Resource Management", Tata McGraw Hill Pub.Co.Ltd, New Delhi.

2- Aswathappa K, 2000, "Organization Behaviour", 5th Ed, Himalaya Publishing House, New Delhi.

3- Aswathappa K, 2004, "Human Resource and Personnel Management: Text and Cases", 3rd Ed, Tata McGraw Hill Pub.Co.Ltd, New Delhi.

4- Bedian Arthur G and Glueck William F, 1983, "Management", 3rd Edition, HoldSaunders International Editions, The Dryden Press, Japan.

5- Bosotia G.R, 1999, "Human Resource Management",Mangal Deep Publications, Jaipur

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** **5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न -** **5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** **5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work		
1	**Course Code**	**CC-42**
2	**Course Title**	**Correctional Administration**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the structure, functions, and objectives of correctional administration. 2. Analyze the policies, procedures, and legal frameworks governing correctional institutions. 3. Examine the roles of administrators, staff, and stakeholders in managing correctional facilities. 4. Evaluate the effectiveness of rehabilitation, reintegration, and inmate management programs. 5. Identify challenges in correctional administration, including overcrowding, staff-inmate relations, and human rights concerns.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 — Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Correctional Administration: Meaning .Objectives & Scope. Problems of Correctional Administration in India.	15
	Key word- Correctional Administration, Problems	
	Activity-Write an article on the roles and responsibilities of social workers in correctional settings	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	.	
II	Correction: Statistics & Research, Development of Corrections Personnel, Human Right & Correction.	15
	Key word- Statistics and Research, Human Rights	
	Activity- Analyze correctional statistics to link data with human rights concerns. Propose training improvements.	
III	Correction Programmers in Prisons and Juvenile Correction, Correctional Techniques: Counseling, Guidance, Vocational Training & Behaviour Modification.	15
	Key word- Reformatory programmes, guidance, vocational training, prisons and juvenile	
	Activity- Write articles on social work methods and interventions in prisons, probation, and parole systems.	
IV	New Perspectives on Correction, Changing Paradigms of Correctional	15
	Key word- Reforms, paradigms	
	Activity –Discuss correctional policies and examine their impact on rehabilitation and reintegration.	
V	Administration: Issues Problems, Future of Correction.	15
	Key word- Administration, Issues, Problems,	
	Activity –Write an article on your rural problem.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Keve, Paul W.- Corrections
2. John, Elmer H.- Crime, Correction and Society
3. Bartollas, C. and Stuart J. Miler- Correctional Administration: Theory and Practice
4. Carter Rebert, M.- Probation, Parole and Community Corrections
5. Gibbons, Don C.- Changing the Lawbreaker : The Treatment of Delinquents and Criminals
6. Lipton, Douglas- The Effectiveness of Correctional Treatment
7. Robert Martinson and Judith Wilks Abadinskhy, Howard- Probation and Parole: Theory and Practice
8. Rajput, Diwakar Singh- Jail Reforms and Prisoners Welfare
9. Darney, Louis P.- Corrections and the Community
10. Sandhu, H.S.- Modern Corrections
11. Coffey, Alan- Correctional Administration
12. Srivastava, S.P.- The Probation System, Juvenile Justice in India; Policy, Programme and Perspective

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्ल् .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-42	
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**सुधारात्मक प्रशासन**	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**इलेक्टिव**	
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।	
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	1. सुधारात्मक प्रशासन की संरचना, कार्य और उद्देश्यों को समझ सकेगें। । 2. सुधारात्मक संस्थाओं को नियंत्रित करने वाली नीतियों, प्रक्रियाओं और कानूनी ढाँचों का विश्लेषण कर सकेगें। 3. सुधारात्मक सुविधाओं के प्रबंधन में प्रशासकों, कर्मचारियों और हितधारकों की भूमिकाओं की जाँच कर सकेगें। 4. पुनर्वास, पुनः एकीकरण और कैदी प्रबंधन कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर सकेगें। 5. सुधारात्मक प्रशासन में चुनौतियों की पहचान करें, जिसमें भीड़भाड़, कर्मचारी-कैदी संबंध और मानवाधिकार संबंधी चिंताएँ शामिल हैं।	
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	सुधारात्मक प्रशासन: अर्थ, उद्देश्य और क्षेत्र, भारत में सुधारात्मक प्रशासन की समस्याएँ।	15
	सारबिन्दु – सुधारात्मक प्रशासन, समस्याएँ	
	गतिविधि- सुधारात्मक सेटिंग्स में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका और जिम्मेदारियों पर लेख लिखें	
द्वितीय	सुधार: सांख्यिकी एवं अनुसंधान, सुधार कार्मिकों का विकास, मानव अधिकार एवं सुधार।	15
	सारबिन्दु – सांख्यिकी एवं अनुसंधान, मानव अधिकार	
	गतिविधि- कैद व्यक्तियों और उनके परिवारों की जरूरतों और चुनौतियों का विश्लेषण करें।	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

तृतीय	जेलों और किशोर सुधार में सुधार कार्यक्रमकर्ता, सुधारात्मक तकनीकें: परामर्श, मार्गदर्शन, व्यावसायिक प्रशिक्षण और व्यवहार संशोधन।	15
	सारबिन्दु – सुधार कार्यक्रम, मार्गदर्शन, व्यावसायिक प्रशिक्षण, जेल और किशोर	
	गतिविधि-जेलों, परिवीक्षा और पैरोल प्रणालियों में सामाजिक कार्य के तरीकों और हस्तक्षेपों पर लेख लिखें।	
चतुर्थ	सुधार पर नए दृष्टिकोण, सुधार के बदलते प्रतिमान	15
	सारबिन्दु – सुधार, प्रतिमान	
	गतिविधि- सुधारात्मक नीतियों और पुनर्वास और पुनः एकीकरण पर उनके प्रभाव की जांच पर चर्चा करें।	
पंचम	प्रशासन: मुद्दे, समस्याएं, सुधार का भविष्य।	15
	सारबिन्दु –प्रशासन, मुद्दे, समस्याएं,	
	गतिविधि- आपके ग्रामीण समस्या पर लेख लिखें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Keve, Paul W.- Corrections
2. John, Elmer H.- Crime, Correction and Society
3. Bartollas, C. and Stuart J. Miler- Correctional Administration: Theory and Practice
4. Carter Rebert, M.- Probation, Parole and Community Corrections
5. Gibbons, Don C.- Changing the Lawbreaker : The Treatment of Delinquents and Criminals
6. Lipton, Douglas- The Effectiveness of Correctional Treatment
7. Robert Martinson and Judith Wilks Abadinskhy, Howard- Probation and Parole: Theory and Practice
8. Rajput, Diwakar Singh- Jail Reforms and Prisoners Welfare
9. Darney, Louis P.- Corrections and the Community
10. Sandhu, H.S.- Modern Corrections
11. Coffey, Alan- Correctional Administration

Srivastava, S.P.- The Probation System, Juvenile Justice in India; Policy, Programme

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work

1	**Course Code**	**CC-43**
2	**Course Title**	**Social Work Practice in Corrections**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the role and responsibilities of social workers in correctional settings. 2. Analyze the needs and challenges of incarcerated individuals and their families. 3. Apply social work methods and interventions in prisons, probation, and parole systems. 4. Examine correctional policies and their impact on rehabilitation and reintegration. 5. Demonstrate ethical decision-making and advocacy in working with justice-involved populations.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Corrections: Meaning, Definition and Scope. Relevance of Social Work in Corrections Development of Correction: A Historical Perspective **Key word**- Reforms, Social Action, Historical Perspective	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity Timeline activity on corrections history and social work's role.	
II	Correctional Services within Institutional Settings: Prisons and Juvenile Correctional Institutions. Open Jail etc.	**15**
	Key word- Jail, juvenile correctional institution, open prison	
	Activity-Chart comparing prisons, juvenile facilities, and open jails.	
III	Community-based Correction: Probation, Parole and After –Care, Critique of Correction Programmes in the Community –based Correction.	**15**
	Key word- Probation, parole, correctional programs	
	Activity- Case study debate on community vs. institutional corrections.	
IV	Core issues in the Treatment, Reformation and Rehabilitation of Offenders. Social Work Practice in correction	**15**
	Key word- Treatment, correction and rehabilitation	
	Activity –Rehabilitation plan design for an offender's reintegration.	
V	Problems of Social Work Intervention in Corrections Imperatives of an Adequate Training of Correctional Social Workers New Perspectives on Correctional Social Work.	**15**
	Key word- Social work, training, social worker	
	Activity –Training workshop proposal for correctional social workers.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Iyer, V.R. K.-Law versus Justice : Problems and Solutions
2. Western, P.B. - The Criminal Justice System : A Introduction and Guidelines
3. Arhana, T.- Social Advocacy: Perspective of Social Work
4. Government of India- Report of the Legal Aid Committee, 1973 Keve, Paul W.- Corrections
5. John, Elmer H.- Crime, Correction and Society
6. Bartollas, C. and Stuart J. Miler- Correctional Administration: Theory and Practice
7. Carter Rebert, M.- Probation, Parole and Community Corrections
8. Gibbons, Don C.- Changing the Lawbreaker : The Treatment of Delinquents and Criminals
9. Lipton, Douglas- The Effectiveness of Correctional Treatment
10. Robert Martinson and Judith Wilks Abadinskhy, Howard- Probation and Parole: Theory and Practice
11. Rajput, Diwakar Singh- Jail Reforms and Prisoners Welfare
12. Darney, Louis P.- Corrections and the Community
13. Sandhu, H.S.- Modern Corrections
14. Coffey, Alan- Correctional Administration
15. Srivastava, S.P.- The Probation System, Juvenile Justice in India; Policy, Programme and Perspective.

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.
Maximum Marks:100
CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-43	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सुधार में सामाजिक कार्य अभ्यास	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. सुधारात्मक सेटिंग्स में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका और जिम्मेदारियों को समझें। 2. कैद व्यक्तियों और उनके परिवारों की जरूरतों और चुनौतियों का विश्लेषण करें। 3. जेलों, परिवीक्षा और पैरोल प्रणालियों में सामाजिक कार्य के तरीकों और हस्तक्षेपों को लागू करें। 4. सुधारात्मक नीतियों और पुनर्वास और पुनः एकीकरण पर उनके प्रभाव की जांच करें। 5. न्याय-संबंधित आबादी के साथ काम करने में नैतिक निर्णय लेने और वकालत का प्रदर्शन करें।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	सुधार: अर्थ, परिभाषा और दायरा। सुधार में सामाजिक कार्य की प्रासंगिकता सुधार का विकास: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	15
	सारबिन्दु – सुधार, सामाजिक कार्य, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	
	गतिविधि- सुधार इतिहास और सामाजिक कार्य की भूमिका पर समयरेखा गतिविधि।	
दवितीय	संस्थागत व्यवस्थाओं में सुधारात्मक सेवाएँ: जेल और किशोर सुधार संस्थान, खुली जेल आदि।	15
	सारबिन्दु – जेल, किशोर सुधार संस्थान, खुली जेल	
	गतिविधि- जेलों, किशोर सुविधाओं और खुली जेलों की तुलना करने वाला चार्ट।	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

तृतीय	समुदाय-आधारित सुधार: परिवीक्षा, पैरोल और बाद की देखभाल, समुदाय-आधारित सुधार में सुधार कार्यक्रमों की आलोचना।	15
	सारबिन्दु – परिवीक्षा, पैरोल, सुधार कार्यक्रम	
	गतिविधि- समुदाय बनाम संस्थागत सुधारों पर केस स्टडी बहस।	
चतुर्थ	अपराधियों के उपचार, सुधार और पुनर्वास में मुख्य मुद्दे। सुधार में सामाजिक कार्य अभ्यास	15
	सारबिन्दु – उपचार, सुधार और पुनर्वास	
	गतिविधि- अपराधी के पुनः एकीकरण के लिए पुनर्वास योजना डिजाइन।	
पंचम	सुधार में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप की समस्याएं, सुधारात्मक सामाजिक कार्यकर्ताओं के पर्याप्त प्रशिक्षण की अनिवार्यताएं, सुधारात्मक सामाजिक कार्य पर नए दृष्टिकोण।	15
	सारबिन्दु – सामाजिक कार्य, प्रशिक्षण, सामाजिक कार्यकर्ता	
	गतिविधि- सुधारात्मक सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का प्रस्ताव।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Iyer, V.R. K.-Law versus Justice : Problems and Solutions
2. Western, P.B. - The Criminal Justice System : A Introduction and Guidelines
3. Arhana, T.- Social Advocacy: Perspective of Social Work
4. Government of India- Report of the Legal Aid Committee, 1973 Keve, Paul W.- Corrections
5. John, Elmer H.- Crime, Correction and Society
6. Bartollas, C. and Stuart J. Miler- Correctional Administration: Theory and Practice
7. Carter Rebert, M.- Probation, Parole and Community Corrections
8. Gibbons, Don C.- Changing the Lawbreaker : The Treatment of Delinquents and Criminals
9. Lipton, Douglas- The Effectiveness of Correctional Treatment
10. Robert Martinson and Judith Wilks Abadinskhy, Howard- Probation and Parole: Theory and Practice
11. Rajput, Diwakar Singh- Jail Reforms and Prisoners Welfare
12. Darney, Louis P.- Corrections and the Community
13. Sandhu, H.S.- Modern Corrections
14. Coffey, Alan- Correctional Administration
15. Srivastava, S.P.- The Probation System, Juvenile Justice in India; Policy, Programme and Perspective.

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work		
1	**Course Code**	**CC-44**
2	**Course Title**	**Women Empowerment**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the concept, dimensions, and significance of women empowerment. 2. Analyze the social, economic, political, and cultural barriers to women's empowerment. 3. Evaluate policies, programs, and legal frameworks promoting gender equality and women's rights. 4. Assess the role of education, self-help groups, and NGOs in empowering women. 5. Apply strategies to promote women's participation in decision-making and leadership.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	**Women and Empowerment:** Empowerment: Meaning, Definition and Characteristics. Status of Women in India: Historical and Contemporary Perspective Gandhi and Empowerment of Women	15
	Key word- Women, Empowerment	
	Activity- Students create a timeline showing key phase in the status of women in india	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

II	**Globalization and Women's Question in India:** Women, Education and Social Development Women and Health: An Indian Scenario Poverty, Women and their Empowerment **Key word**- Globalization, Women, Education, Social Development **Activity-** Conduct a mini field survey with women from different socio economic background	
III	**Women's Problems, Legislations and Empowerment:** Female Feticides, Dowry, Domestic Violence, Crime against Women, Trafficking, Child Prostitution Legislations for Empowering Women Human Rights for Women's Empowerment **Key word**- Female foeticide, dowry, domestic violence, crimes against women, trafficking, child prostitution **Activity-** Present a street play/skit or infographic to raise awareness about key women protective legislative	**15**
IV	**Political Participation and Empowerment:** Family for Empowerment Women's Political Participation in India: An agenda for Empowerment Role of Government in the empowerment of women in India **Key word**- Political participation, empowerment **Activity** –Students draft and present women centric policy agenda as part of their campaign	**15**
V	**Women in Decision Making:** Role of Women in Decision Making Process Women in Decision Making Bodies Women in Law Women in Media **Key word**- Decision making process, role of women, media, law **Activity** – Each student selects one Indian women leader and present her contribution and discuss.	**15**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Bhagwat, Vidyut. 2004. *Feminist Social Thought.* Jaipur: Rawat.
2. Dube, Leela (ed). 2001. *Anthropological Explorations in Gender.* Delhi: Sage.
3. Everelt, Jana M. 1981. *Women and Social Change in India.* New Delhi: Heritage Publishers.
4. Firestone, Sulahmith. 1975. *The Dialectic of Sex.* New York: Morrow.
5. John, Mary E. 1996. „Gender and Development in India 1970-1990s: Some Reflection on the Constitute Role of Contexts", *Economic and Political Weekly.* vol 31, No. 47.
6. Krishnaraj, M. et-al. (eds.). 1989. *Gender and the Household Domain.* New Delhi: Sage.
7. Mies, M. 1980. *Indian Women and Patriarchy.* New Delhi: Concept Publishing.
8. Oakley, A. 1972. *Sex, Gender, and Society.* New York: Harper and Rao.
9. Rege, S. 2003 *Sociology of Gender: The Challenge of Feminists Sociological Knowledge.* New Delhi: Sage.
10. Seth, M. 2001. *Women and Development: The Indian Experience.* New Delhi: Sage.

and Perspective

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.
Maximum Marks: 100
CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-44	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	महिला सशक्तिकरण	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. महिला सशक्तिकरण की अवधारणा, आयाम और महत्त्व को समझें। 2. महिला सशक्तिकरण में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक बाधाओं का विश्लेषण करें। 3. लैंगिक समानता और महिला अधिकारों को बढ़ावा देने वाली नीतियों, कार्यक्रमों और कानूनी ढाँचों का मूल्यांकन करें। 4. महिलाओं को सशक्त बनाने में शिक्षा, स्वयं सहायता समूहों और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका का आकलन करें। 5. निर्णय लेने और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियाँ लागू करें।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	महिलाएँ और सशक्तिकरण: सशक्तिकरण: अर्थ, परिभाषा और विशेषताएँ। भारत में महिलाओं की स्थिति: ऐतिहासिक और समकालीन परिप्रेक्ष्य गाँधी और महिला सशक्तिकरण	15
	सारबिन्दु – महिलाएँ, सशक्तिकरण	
	गतिविधि- के छात्र भारत में महिलाओं की स्थिति में महत्वपूर्ण चरण को दर्शाते हुए एक समयरेखा बनाते हैं	
द्वितीय	वैश्वीकरण और भारत में महिलाओं के प्रश्न: महिलाएँ, शिक्षा और सामाजिक विकास महिलाएँ और स्वास्थ्य: एक भारतीय परिदृश्य गरीबी, महिलाएँ और उनका सशक्तिकरण	15
	सारबिन्दु – वैश्वीकरण, महिलाएँ, शिक्षा , सामाजिक विकास	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	गतिविधि- विभिन्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाओं के साथ एक छोटा सा क्षेत्र सर्वेक्षण करते हैं	
तृतीय	महिलाओं की समस्याएँ, कानून और सशक्तिकरण: महिला भ्रूण हत्या, दहेज, घरेलू हिंसा, महिलाओं के खिलाफ अपराध, तस्करी, बाल वेश्यावृत्ति महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कानून महिला सशक्तिकरण के लिए मानवाधिकार	15
	सारबिन्दु – महिला भ्रूण हत्या, दहेज, घरेलू हिंसा, महिलाओं के खिलाफ अपराध, तस्करी, बाल वेश्यावृत्ति	
	गतिविधि- प्रमुख महिला सुरक्षा विधायी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक/नाटक या इन्फोग्राफिक प्रस्तुत करते हैं	
चतुर्थ	राजनीतिक भागीदारी और सशक्तिकरण: सशक्तिकरण के लिए परिवार भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी: सशक्तिकरण के लिए एक एजेंडा भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण में सरकार की भूमिका	15
	सारबिन्दु – राजनीतिक भागीदारी, सशक्तिकरण	
	गतिविधि- छात्र अपने अभियान के हिस्से के रूप में महिला केंद्रित नीति एजेंडा का मसौदा तैयार करते हैं और उसे प्रस्तुत करते हैं	
पंचम	निर्णय लेने में महिलाएँ: निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाएँ कानून में महिलाएँ मीडिया में महिलाएँ	15
	सारबिन्दु – निर्णय प्रक्रिया, महिला भूमिका, मीडिया, कानून	
	गतिविधि- प्रत्येक छात्र एक भारतीय महिला नेता का चयन करता है और उसके योगदान को प्रस्तुत करता है और चर्चा करता है।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Bhagwat, Vidyut. 2004. *Feminist Social Thought.* Jaipur: Rawat.
2. Dube, Leela (ed). 2001. *Anthropological Explorations in Gender.* Delhi: Sage.
3. Everelt, Jana M. 1981. *Women and Social Change in India.* New Delhi: Heritage Publishers.
4. Firestone, Sulahmith. 1975. *The Dialectic of Sex.* New York: Morrow.
5. John, Mary E. 1996. „Gender and Development in India 1970-1990s: Some Reflection on the Constitute Role of Contexts", *Economic and Political Weekly.* vol 31, No. 47.
6. Krishnaraj, M. et-al. (eds.). 1989. *Gender and the Household Domain.* New Delhi: Sage.
7. Mies, M. 1980. *Indian Women and Patriarchy.* New Delhi: Concept Publishing.
8. Oakley, A. 1972. *Sex, Gender, and Society.* New York: Harper and Rao.
9. Rege, S. 2003 *Sociology of Gender: The Challenge of Feminists Sociological Knowledge.* New Delhi: Sage.
10. Seth, M. 2001. *Women and Development: The Indian Experience.* New Delhi: Sage.

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work			
1	**Course Code**	**CC-45**	
2	**Course Title**	**Welfare of the Aged**	
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**	
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.	
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the physical, psychological, and social aspects of aging. 2. Identify the needs, problems, and challenges faced by the elderly in various contexts. 3. Analyze policies, programs, and services related to the welfare of older adults. 4. Apply social work methods in planning and delivering support to the aged. 5. Evaluate the role of family, community, and institutions in promoting elder well-being.	
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**

1	Aged: Concept Problems of the Aged Social, Social, Emotional, Physical & Adjustment New perspectives on the Care of the Aged	**15**
	Key word- Aged, emotional, adjustment	
	Activity- interview with elderly person, old age home visit	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

II	Status of Aged on Rural and Urban Setting Democratic Characteristics of the Aged Role of Aged in Social: Past and Present	15
	Key word- Rural and urban environment, democracy, social life	
	Activity- Create a comparative chart of the aged in rural vs urban India	
III	National policy and Legislative Provisions for the Welfare of the Aged Governmental Institutions for the Care of Aged Role of NGOs for the Care of Aged	15
	Key word- National policy, NGOs, Government agencies	
	Activity- Assign each student a govt policy and discuss	
IV	Preparation for the Old Age and Retirement Planning Raising Family and Community Awareness Participation of Senior Citizens in Socio-economic Development	15
	Key word- National policy, NGOs, Government agencies	
	Activity –Students role play a family discussing retirement and planning for elderly care	
V	Status of Elderly Women in Contemporary Society Health Care of Elderly Women Emotional Care of Elderly Women	15
	Key word- elderly woman, health, care	
	Activity –present q case study of an elderly women living alone or in dependency	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Gurumurthy K.G., The Aged in India, New Delhi: Reliance Publishing House, 1998. 2. Joseph, J., Aged in India - Problems and Personality, Allhabad: Chugh Publications House, 1991. 3. Kohli, A. S., Social Situation of the Aged in India, New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd., 1996.' 4. Kumudini, D., The Elderly in India, New Delhi: Sage Publications, 1996. 5. Murli Desai and Siva Raju, Gerontological Social work in India (Some Issues and Perspectives) Delhi: B.R. Publishing Corporation, 2000 and Perspective
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60		
External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: सोशल वर्क

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-45	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वृद्धों का कल्याण	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. बुढ़ापे के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं को समझें। 2. विभिन्न संदर्भों में बुजुर्गों के सामने आने वाली ज़रूरतों, समस्याओं और चुनौतियों की पहचान करें। 3. वृद्धों के कल्याण से संबंधित नीतियों, कार्यक्रमों और सेवाओं का विश्लेषण करें। 4. बुजुर्गों को सहायता प्रदान करने और योजना बनाने में सामाजिक कार्य विधियों को लागू करें। 5. बुजुर्गों के कल्याण को बढ़ावा देने में परिवार, समुदाय और संस्थानों की भूमिका का मूल्यांकन करें।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00=** प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	वृद्ध: अवधारणा वृद्धों की समस्याएं सामाजिक, सामाजिक, भावनात्मक, शारीरिक और समायोजन वृद्धों की देखभाल पर नए दृष्टिकोण	15
	सारबिन्दु – वृद्ध, भावनात्मक, समायोजन	
	गतिविधि- बुजुर्ग व्यक्ति से साक्षात्कार, वृद्धाश्रम का दौरा	
द्वितीय	ग्रामीण और शहरी परिवेश में वृद्धों की स्थिति वृद्धों की लोकतांत्रिक विशेषताएं सामाजिक जीवन में वृद्धों की भूमिका: अतीत और वर्तमान	15
	सारबिन्दु – ग्रामीण और शहरी परिवेश, लोकतंत्र , सामाजिक जीवन	
	गतिविधि- ग्रामीण बनाम शहरी भारत में वृद्धों का तुलनात्मक चार्ट बनाएं	
तृतीय	वृद्धों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय नीति और विधायी प्रावधान वृद्धों की देखभाल के लिए सरकारी संस्थाएँ वृद्धों की देखभाल के लिए गैर सरकारी संगठनों की भूमिका	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – राष्ट्रीय नीति, गैर सरकारी संगठन, सरकारी संस्थाएँ **गतिविधि-** प्रत्येक छात्र को एक सरकारी नीति सौंपें और चर्चा करें	
चतुर्थ	वृद्धावस्था और सेवानिवृत्ति योजना के लिए तैयारी परिवार और समुदाय में जागरूकता बढ़ाना सामाजिक-आर्थिक विकास में वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी **सारबिन्दु** – वृद्धावस्था और सेवानिवृत्ति योजना, सामाजिक-आर्थिक विकास, वरिष्ठ नागरिकों **गतिविधि-** छात्र एक परिवार की भूमिका निभाते हैं, जिसमें सेवानिवृत्ति और बुजुर्गों की देखभाल की योजना पर चर्चा की जाती है	15
पंचम	समकालीन समाज में बुजुर्ग महिलाओं की स्थिति बुजुर्ग महिलाओं की स्वास्थ्य देखभाल बुजुर्ग महिलाओं की भावनात्मक देखभाल **सारबिन्दु** – बुजुर्ग महिला, स्वास्थ्य , देखभाल **गतिविधि-** अकेले या आश्रित रहने वाली बुजुर्ग महिला का क्यू केस स्टडी प्रस्तुत करें	15
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Gurumurthy K.G., The Aged in India, New Delhi: Reliance Publishing House, 1998.
2. Joseph, J., Aged in India - Problems and Personality, Allhabad: Chugh Publications House, 1991.
3. Kohli, A. S., Social Situation of the Aged in India, New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd., 1996.'
4. Kumudini, D., The Elderly in India, New Delhi: Sage Publications, 1996.
5. Murli Desai and Siva Raju, Gerontological Social work in India (Some Issues and Perspectives) Delhi: B.R. Publishing Corporation, 2000 and Perspective

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work		
1	**Course Code**	**CC-46**
2	**Course Title**	**Rural Society and Panchayati Raj Institutions**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand key features of rural society and its structure. 2. Explain the evolution and role of Panchayati Raj Institutions (PRIs). 3. Analyze the impact of PRIs on rural development. 4. Identify rural issues and suggest community-based solutions. 5. Apply social work methods in collaboration with PRIs.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Indian Rural Community: Concept, Characteristic, Features and Significance Growth and Development of Indian Rural Community.	15
	Key word- Indian rural community. Development and growth	
	Activity- Advocating for government scheme like Pradhan mantri gram sadak Yojana, swachh Bharat abhiyan etc.	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

II	Problem and Challenges Faced by India Rural Community.	15
	Key word- Rural communities, the challenge	
	Activity- education awareness Campaign, free health camps, conducting vocational training camps	
III	Rural Social Institution: Joint Family, Caste, Panchayati Raj Institutions: Concept & Significance Structure & Powers, Zila Panchyat: Concept, Significance, Structure & Powers.	15
	Key word- Social institution, joint family, caste, Panchayati Raj institutions	
	Activity- family counselling, legal rights workshop, social harmony campaign	
IV	Village Panchayat: Concept, Significance, Structure & Powers, Kshetra Panchayat: Concept Significance. Structure & Powers, Zila Panchyat: Concept Significance, Structure & Powers.	15
	Key word- Area Panchayat, Gram Panchayat, District Panchayat	
	Activity – inclusive community project: insure equal participation in Village development committee, SHGs and village panchayat	
V	Working of Panchayati Raj Institutions: Financial, Political & Administrative Issues. People's Participation in Rural Reconstruction. Emerging Rural Elite in India Rural Community	15
	Key word- Panchayati Raj Institutions, Rural Reconstruction, Rural Elite, Rural Community	
	Activity – skill development training, Entrepreneurship awareness, education youth and women about small scale business and government subsidies	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Alagh, Y.K. (2000). Panchayati Raj and Planning in India: Participatory Institutes and Rural Roads, New Delhi, Asian Institute of Transport Development 2. Avasthi, I L. (1990). 'Decentralization Perspectives and Rural Development' in Ashok Kumar (ed.), Planning, Development and Disparities in Rural India, Commonwealth Publishers, New Delhi, pp 123-133. 3. Desai, Vasant (1980). Panchayati Raj power to the people, Bombay,Himalaya Publishing Company. 4. Ghosh, Arun (1996). 'Panchayati Raj and Decentralisation of Indian Political Economy' in V.S. Mahajan (ed.) Agriculture, Rural Development and Panchayati Raj, New Delhi, Deep and Deep Publications.
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता वाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	कक्षा: एम.एस.डब्लू .	वर्ष : द्वितीय वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: सोशल वर्क			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-46	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	ग्रामीण समाज और पंचायती राज संस्थाएँ	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	इलेक्टिव	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. ग्रामीण समाज की मुख्य विशेषताओं और इसकी संरचना को समझें। 2. पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के विकास और भूमिका की व्याख्या करें। 3. ग्रामीण विकास पर पीआरआई के प्रभाव का विश्लेषण करें। 4. ग्रामीण मुद्दों की पहचान करें और समुदाय-आधारित समाधान सुझाएँ। 5. पीआरआई के सहयोग से सामाजिक कार्य विधियों को लागू करें।	
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	भारतीय ग्रामीण समुदाय: अवधारणा, विशेषता, विशेषताएं और महत्व भारतीय ग्रामीण समुदाय का विकास और वृद्धि।	15
	सारबिन्दु – भारतीय ग्रामीण समुदाय. विकास और वृद्धि	
	गतिविधि- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वच्छ भारत अभियान आदि जैसी सरकारी योजनाओं की वकालत करना।	
द्वितीय	भारत के ग्रामीण समुदाय के समक्ष समस्याएँ और चुनौतियाँ।	15
	सारबिन्दु –ग्रामीण समुदाय, चुनौती	
	गतिविधि- शिक्षा जागरूकता अभियान, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित करना	
तृतीय	ग्रामीण सामाजिक संस्था: संयुक्त परिवार, जाति, पंचायती राज संस्थाएं: अवधारणा एवं महत्व, संरचना एवं शक्तियां, जिला पंचायत: अवधारणा, महत्व, संरचना एवं शक्तियां।	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – सामाजिक संस्था, संयुक्त परिवार, जाति, पंचायती राज संस्थाएं	
	गतिविधि- परिवार परामर्श, कानूनी अधिकार कार्यशाला, सामाजिक सद्भाव अभियान	
चतुर्थ	ग्राम पंचायत: अवधारणा, महत्व, संरचना एवं शक्तियाँ, क्षेत्र पंचायत: अवधारणा, महत्व, संरचना एवं शक्तियाँ, जिला पंचायत: अवधारणा, महत्व, संरचना एवं शक्तियाँ।	15
	सारबिन्दु – क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत	
	गतिविधि- समावेशी सामुदायिक परियोजना: ग्राम विकास समिति, स्वयं सहायता समूहों और ग्राम पंचायत में समान भागीदारी सुनिश्चित करना	
पंचम	पंचायती राज संस्थाओं का कामकाज: वित्तीय, राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दे। ग्रामीण पुनर्निर्माण में लोगों की भागीदारी। भारत में उभरता ग्रामीण अभिजात वर्ग ग्रामीण समुदाय	15
	सारबिन्दु – पंचायती राज संस्थायें, ग्रामीण पुनर्निर्माण, ग्रामीण अभिजात वर्ग, ग्रामीण समुदाय	
	गतिविधि- कौशल विकास प्रशिक्षण, उद्यमिता जागरूकता, युवाओं और महिलाओं को लघु उद्योग और सरकारी सब्सिडी के बारे में शिक्षित करना	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Alagh, Y.K. (2000). Panchayati Raj and Planning in India: Participatory Institutes and Rural Roads, New Delhi, Asian Institute of Transport Development
2. Avasthi, I L. (1990). 'Decentralization Perspectives and Rural Development' in Ashok Kumar (ed.), Planning, Development and Disparities in Rural India, Commonwealth Publishers, New Delhi, pp 123-133.
3. Desai, Vasant (1980). Panchayati Raj power to the people, Bombay,Himalaya Publishing Company.
4. Ghosh, Arun (1996). 'Panchayati Raj and Decentralisation of Indian Political Economy' in V.S. Mahajan (ed.) Agriculture, Rural Development and Panchayati Raj, New Delhi, Deep and Deep Publications.

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work		
1	**Course Code**	CC-47
2	**Course Title**	**Tribal Community and Social Work**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the socio-cultural life of tribal communities in India. 2. Identify key issues and challenges faced by tribal populations. 3. Analyze government policies and legal safeguards for tribal welfare. 4. Apply social work approaches in tribal development and empowerment. 5. Work with tribal communities using participatory and rights-based methods.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Tribes: definition and characteristics of tribal community, major tribes classification **Key word-** Tribes, communities	**15**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity-Tribal Storytelling Session - Read or narrate tribal myths, folklore, and legends. - Discuss the moral and cultural significance behind the stories.	
II	Tribal situation: past and present: tribe caste continuum; geographical distribution of tribes in india.	**15**
	Key word- tribe caste continuity,	
	Activity-Tribal History Timeline Creation - Research and create a timeline showcasing major events in tribal history. - Include pre-colonial life, British era policies, post-independence tribal movements, and contemporary challenges.	
III	Tribal economy: characteristics of tribal economy- hunting-gathering, shifting cultivation, plain land cultivation, mining and wage labour, animal husbandry and other avenues of livelihood.	**15**
	Key word- Tribal economy, hunting-gathering, shifting cultivation, plain agriculture, mining and wage labour, animal husbandry	
	Activity- Mapping Tribal Occupations - Using an India map, mark different regions and their dominant tribal livelihoods. - Analyze how geography influences tribal economy.	
IV	Health and education: trends, issues and initiatives- health, sanitation, modern education system and literacy among tribal.	**15**
	Key word- Health and Education, in Health, Hygiene, Modern Education System and Literacy	
	Activity – Health Awareness Campaign - Research common tribal health issues and create posters or presentations. - Discuss ways to improve nutrition, maternal health, and disease prevention.	
V	Planning and development interventions; tribal development during five year plans, tribal development block, tribal development agency.	**15**
	Key word- Planning and Development, Tribal Development Block, Tribal Development,	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity – Five-Year Plan Analysis Research how different Five-Year Plans have impacted tribal development. Compare policies from different decades and evaluate their effectiveness.	
	Total Lectures	**45 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Bailey, F.G (1960/1971) tribe caste continuum in "tribe caste and nation, Manchester university press. 2. Bahera, (KK. 2003) organization and management of tribal markets, independent publishing company, new Delhi 3. Bahera, MC and jumyir basar (2010) Ed: interventions and tribal development, derail publication new delhi 4. Das, Nirmal Chandra: tribal demography, sagar publication and Perspective
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	**कक्षा: एम.एस.डब्लू .**	**वर्ष :** द्वितीय वर्ष	**सत्र : 2025-2026**
विषय: सोशल वर्क			

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC-47	
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**जनजातीय समुदाय और सामाजिक कार्य**	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**इलेक्टिव**	
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।	
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	1. भारत में जनजातीय समुदायों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को समझें। 2. जनजातीय आबादी के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों की पहचान करें। 3. जनजातीय कल्याण के लिए सरकारी नीतियों और कानूनी सुरक्षा उपायों का विश्लेषण करें। 4. जनजातीय विकास और सशक्तिकरण में सामाजिक कार्य दृष्टिकोण लागू करें। 5. भागीदारी और अधिकार-आधारित तरीकों का उपयोग करके जनजातीय समुदायों के साथ काम करें।	
6	**क्रेडिट मान**	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4	
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 40+60	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00=** प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	जनजातियाँ: जनजातीय समुदाय की परिभाषा और विशेषताएँ, प्रमुख जनजातियों का वर्गीकरण	15
	सारबिन्दु – जनजातियाँ, समुदाय	
	गतिविधि- जनजातीय कहानी सुनाने का सत्र - जनजातीय मिथकों, लोककथाओं और किंवदंतियों को पढ़ें या सुनाएँ। - कहानियों के पीछे नैतिक और सांस्कृतिक महत्व पर चर्चा करें।	
द्वितीय	जनजातीय स्थिति: अतीत और वर्तमान: जनजाति जाति सातत्य; भारत में जनजातियों का भौगोलिक वितरण।	15
	सारबिन्दु – जनजाति जाति सातत्य,	
	गतिविधि- जनजातीय इतिहास समयरेखा निर्माण	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	- जनजातीय इतिहास में प्रमुख घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली समयरेखा पर शोध करें और बनाएँ। - औपनिवेशिक जीवन से पहले की ज़िंदगी, ब्रिटिश युग की नीतियाँ, स्वतंत्रता के बाद के जनजातीय आंदोलन और समकालीन चुनौतियाँ शामिल करें।	
तृतीय	जनजातीय अर्थव्यवस्था: जनजातीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं- शिकार-संग्रहण, स्थानान्तरित कृषि, समतल भूमि पर कृषि, खनन एवं मजदूरी, पशुपालन तथा आजीविका के अन्य साधन।	15
	सारबिन्दु – जनजातीय अर्थव्यवस्था, शिकार-संग्रहण, स्थानान्तरित कृषि, समतल भूमि पर कृषि, खनन एवं मजदूरी, पशुपालन	
	गतिविधि- जनजातीय व्यवसायों का मानचित्रण - भारत के मानचित्र का उपयोग करके, विभिन्न क्षेत्रों और उनकी प्रमुख जनजातीय आजीविका को चिह्नित करें। - विश्लेषण करें कि भूगोल जनजातीय अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करता है।	
चतुर्थ	स्वास्थ्य एवं शिक्षा: रुझान, मुद्दे एवं पहल- जनजातीय लोगों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, आधुनिक शिक्षा प्रणाली एवं साक्षरता।	15
	सारबिन्दु – स्वास्थ्य एवं शिक्षा, में स्वास्थ्य, स्वच्छता, आधुनिक शिक्षा प्रणाली एवं साक्षरता	
	गतिविधि- स्वास्थ्य जागरूकता अभियान - आम जनजातीय स्वास्थ्य मुद्दों पर शोध करें और पोस्टर या प्रस्तुतियाँ बनाएँ। - पोषण, मातृ स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम में सुधार के तरीकों पर चर्चा करें।	
पंचम	योजना एवं विकास हस्तक्षेप; पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान जनजातीय विकास, जनजातीय विकास खंड, जनजातीय विकास एजेंसी।	15
	सारबिन्दु – योजना एवं विकास, जनजातीय विकास खंड, जनजातीय विकास,	
	गतिविधि- पंचवर्षीय योजना विश्लेषण - शोध करें कि विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं ने जनजातीय विकास को कैसे प्रभावित किया है। - विभिन्न दशकों की नीतियों की तुलना करें और उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Bailey, F.G (1960/1971) tribe caste continuum in “tribe caste and nation, Manchester university press.
2. Bahera, (KK. 2003) organization and management of tribal markets, independent publishing company, new Delhi
3. Bahera, MC and jumyir basar (2010) Ed: interventions and tribal development, derail publication new delhi
4. Das, Nirmal Chandra: tribal demography, sagar publication

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work		
1	**Course Code**	**CC-48**
2	**Course Title**	**Practicum (OR) / Participation with NGOs/Government Organizations/Others**
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Core course**
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Prepare the project report.
6	**Credit Value**	05
7	**Total Marks**	Max. Marks: 100 / Min. Passing Marks: 35

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	**Topics**	**No. of Lectures (1 Hour Each)**
	Prepare the project report.	
	KEY WORD – Practical Exam/Project Work	

Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings:		
Suggested equivalent courses:		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Evaluation Methods: Maximum Marks:100		
External Assessment: 50 **Internal Evaluation - 50**		Total- 100
Any remarks/suggestions:		

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर	**कक्षा: एम.एस.डब्लू .**	**वर्ष :** द्वितीय वर्ष	**सत्र : 2025-2026**

विषय: सोशल वर्क

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	**CC-48**	
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**Practicum (OR) / Participation with NGOs/Government Organizations/Others**	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	**कोरकोर्स**	
4	**पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)**	1. समाज कार्य में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का प्रथम सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो अथवा 2. समाज कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम का तृतीय सेमेस्टर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो।	
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)**	परियोजना रिपोर्ट तैयार करें.	
6	**क्रेडिट मान**	**05**	
7	**कुल अंक**	अधिकतम अंक: 100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-**00**= प्रति सप्ताह

इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)**
प्रथम	प्रोजेक्ट रिपोट तैयार करें।	
	सारबिन्दु – प्रायोगिक परीक्षा/ प्रोजेक्ट वर्क	
	गतिविधि-	
	कुल व्याख्यान	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

Suggested equivalent online courses:

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:
अधिकतम अंक: 100
विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 100

बाह्य मूल्यांकन: 50 **आंतरिक मूल्यांकन - 50**		**कुलअंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

Part A Introduction			
Program: P.G.	**Class: M.S.W.**	**Year: Second Year**	**Session:2025-26**

Subject: Master of Social Work

1	**Course Code**	CC-47	
2	**Course Title**	**Tribal Community and Social Work**	
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	**Elective**	
4	**Pre-requisite (if any)**	Successful completion of the First Semester of the One-Year Postgraduate Programme in Social Work, or the Third Semester of the Two-Year Postgraduate Programme in Social Work.	
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. Understand the socio-cultural life of tribal communities in India. 2. Identify key issues and challenges faced by tribal populations. 3. Analyze government policies and legal safeguards for tribal welfare. 4. Apply social work approaches in tribal development and empowerment. 5. Work with tribal communities using participatory and rights-based methods.	
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4	
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Tribes: definition and characteristics of tribal community, major tribes classification **Key word-** Tribes, communities	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity-Tribal Storytelling Session - Read or narrate tribal myths, folklore, and legends. - Discuss the moral and cultural significance behind the stories.	
II	Tribal situation: past and present: tribe caste continuum; geographical distribution of tribes in india.	**15**
	Key word- tribe caste continuity,	
	Activity-Tribal History Timeline Creation - Research and create a timeline showcasing major events in tribal history. - Include pre-colonial life, British era policies, post-independence tribal movements, and contemporary challenges.	
III	Tribal economy: characteristics of tribal economy- hunting-gathering, shifting cultivation, plain land cultivation, mining and wage labour, animal husbandry and other avenues of livelihood.	**15**
	Key word- Tribal economy, hunting-gathering, shifting cultivation, plain agriculture, mining and wage labour, animal husbandry	
	Activity- Mapping Tribal Occupations - Using an India map, mark different regions and their dominant tribal livelihoods. - Analyze how geography influences tribal economy.	
IV	Health and education: trends, issues and initiatives- health, sanitation, modern education system and literacy among tribal.	**15**
	Key word- Health and Education, in Health, Hygiene, Modern Education System and Literacy	
	Activity – Health Awareness Campaign - Research common tribal health issues and create posters or presentations. - Discuss ways to improve nutrition, maternal health, and disease prevention.	
V	Planning and development interventions; tribal development during five year plans, tribal development block, tribal development agency.	**15**
	Key word- Planning and Development, Tribal Development Block, Tribal Development,	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity – Five-Year Plan Analysis Research how different Five-Year Plans have impacted tribal development. Compare policies from different decades and evaluate their effectiveness.	
	Total Lectures	**45 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources
Suggested Readings: 1. Bailey, F.G (1960/1971) tribe caste continuum in "tribe caste and nation, Manchester university press. 2. Bahera, (KK. 2003) organization and management of tribal markets, independent publishing company, new Delhi 3. Bahera, MC and jumyir basar (2010) Ed: interventions and tribal development, derail publication new delhi 4. Das, Nirmal Chandra: tribal demography, sagar publication and Perspective
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
Part D-Assessment and Evaluation
Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class. Maximum Marks:100 CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100
Any remarks/suggestions:		

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर
(म.प्र.)